▪ वैशाख शुक्ल - 1 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 268 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 28-04-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के दौरान बुमराह का कार्यभार प्रबंधित करने की जरूरत

6 हीट वेव ने बिगाड़ा जीवन का गणित

7 सात दशक तक दर्शकों को दीवाना बनाया जोहरा सहगल ने

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने टीटीपी के 54 आतंकवादियों को मार गिराया

पेशावर/भाषा। प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के कम से कम 54 आतंकवादियों को अफगानिस्तान से पश्चिमोत्तर पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में घुसने की कोशिश के दौरान मार गिराया गया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया इकाई ने यह जानकारी दी। 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) के एक बयान के अनुसार, 25 और 26 अप्रैल तथा 26 और 27 अप्रैल की दरमियानी रात सुरक्षा बलों को उत्तरी वजीरिस्तान जिले के हसन खेल में आतंकवादियों के एक बड़े समूह की गतिविधियों का पता चला। बयान के अनुसार, सैनिकों ने 54 आतंकवादियों को मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किये गए।

कनाडा में उत्सव के दौरान भीड़ में गाड़ी घुसा दिये जाने से नौ लोगों की मौत, कई अन्य घायल

वैंकूवर/एपी। कनाडा के वैंकूवर शहर में फिलिपिनो समुदाय के विरासत उत्सव के दौरान एक व्यक्ति द्वारा भीड़ में गाड़ी घुसा दिये जाने के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। वैंकूवर पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि घटना शनिवार रात 8:14 बजे हुई, जब लोग 'लापु लापु' दिवस उत्सव में शामिल होने के लिए एकत्र हुए थे। घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं लेकिन अभी तक घायलों की संख्या का ब्योरा नहीं मिला है। पुलिस ने बताया कि वैंकूवर निवासी 30 वर्षीय एक व्यक्ति को घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया है तथा विभाग का प्रमुख अपराध अनुभाग जांच की निगरानी कर रहा है।

रूस ने यूक्रेन पर हमले के लिए लगभग 150 ड्रोन का इस्तेमाल किया

कीव (यूक्रेन)/एपी। रूस ने शनिवार रात यूक्रेन में व्यापक ड्रोन हमले किए, जिसमें कई क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हमले से एक दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के युद्ध समाप्त करने की मंशा पर संदेह जताया था। निप्रोपेट्रोव्स्क के गवर्नर सेरही लिसाक ने बताया कि क्षेत्र के पावलोहराद शहर में लगातार तीसरी रात हुए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा 14 वर्षीय एक किशोरी घायल हो गई।

28-04-2025 सूर्यास्त 6:34 बजे | 29-04-2025 सूर्योदय 5:59 बजे

BSE	NSE
79,212.53	24,039.35
(-588.90)	(-207.35)

सोना	चांदी
10,126 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	98,332 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पानी-पानी पाकिस्तानी

सरकार बनी जब सेनाएं,
सकते में हैं पाकिस्तानी।
शहबाज हो गए चालबाज,
रोए जेलों में इमरानी।
मारे मुनीर ने तीर बहुत,
हो गई उसीकी मनमानी।
है शर्मसार कानून वहां,
जनता भी है पानी-पानी।।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में पहलगाम हमले पर कहा

हर भारतीय का खून खौल रहा है, पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों और इसकी साजिश में शामिल लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने का पुन: आश्वासन देते हुए रविवार को कहा कि पीड़ितों को न्याय मिलकर रहेगा। मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि हमले की तस्वीरें देखकर हर भारतीय का खून खौल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में देश की एकता और 140 करोड़ नागरिकों की एकजुटता सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा, ''यह एकता आतंकवाद के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई का आधार है।''

प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन शहर में किया गया यह हमला आतंकवाद के सरपरस्तों की हताशा एवं कायरता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह हमला ऐसे समय में किया गया जब घाटी में शांति और विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रौनक लौट रही थी, निर्माण कार्य में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या रिकॉर्ड दर से बढ़ रही थी, लोगों की आय बढ़ रही थी और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हो रहे थे।

मोदी ने कहा, ''देश के दुश्मनों, जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को यह रास नहीं आया। आतंकवादी और आतंकवाद के आका चाहते हैं कि कश्मीर फिर से बर्बाद हो जाए और इसलिए उन्होंने इतनी बड़ी साजिश को अंजाम दिया।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि कश्मीर में नागरिकों पर हुए इस भीषण आतंकवादी हमले से उनके मन में गहरी पीड़ा है और इस घटना ने देश के हर नागरिक को दुख पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों के लिए हर भारतीय के मन में गहरी संवेदना है, भले ही वह किसी भी राज्य से हो या कोई भी भाषा बोलता हो। उन्होंने कहा, ''मुझे एहसास है कि आतंकवादी हमले की तस्वीरों को देखकर हर भारतीय का खून खौल रहा है। मैं पीड़ित परिवारों को फिर भरोसा देता हूं कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।''

मोदी ने कहा, ''हमें देश के सामने आई इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है। हमें एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना है। आज दुनिया देख रही है कि इस आतंकवादी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में इसके खिलाफ बोल रहा है।'' उन्होंने कहा कि इस हमले की पूरी दुनिया ने निंदा की है।

मोदी ने कहा, ''भारत के लोगों में जो आक्रोश है, वह आक्रोश पूरी दुनिया में है। इस आतंकवादी हमले के बाद दुनिया-भर से लगातार संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं। मुझे दुनिया के कई नेताओं ने फोन किए हैं, पत्र लिखे हैं, संदेश भेजे हैं।

खाद्य सुरक्षा से किसान समृद्धि की ओर बढ़ने का समय : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को यहां कहा कि राष्ट्रीय कृषि एजेंडे के तहत अब खाद्य सुरक्षा से किसान समृद्धि की ओर बढ़ने का समय आ गया है। उन्होंने तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू) में छात्रों और अन्य लोगों से कहा कि 46 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, जबकि इसका सकल घरेलू उत्पाद में केवल 16 प्रतिशत योगदान है।

धनखड़ ने 'विकसित भारत के लिए कृषि - शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहन' विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि टीएनएयू जैसे संस्थानों को अनुभवी कृषि वैज्ञानिक डॉ एम एस स्वामीनाथन की विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए। स्वामीनाथन टीएनएयू के पूर्व छात्र थे।

उन्होंने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र के योगदान को बढ़ाने की जरूरत है। धनखड़ ने कहा कि भारत अब कृषि उत्पादों का शुद्ध निर्यातक है और हमारे कुल निर्यात में कृषि खाद्य उत्पादों का हिस्सा 11 प्रतिशत से अधिक है।

उपराष्ट्रपति ने आगे कहा, ''आपको एक नया अध्याय लिखना होगा। अब समय आ गया है कि हमारे राष्ट्रीय कृषि एजेंडे को खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़ाया जाए... हमें खाद्य सुरक्षा से किसान समृद्धि की ओर बढ़ना चाहिए।''

सेंथिल बालाजी और पोनमुडी ने दिया तमिलनाडु के मंत्री पद से इस्तीफा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी और के. पोनमुडी ने एम के स्टालिन की प्रदेश सरकार से इस्तीफा दे दिया है और राज्यपाल ने इसे स्वीकार कर लिया है। राजभवन ने रविवार को यह जानकारी दी।

राजभवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्यपाल आर एन रवि ने मुख्यमंत्री स्टालिन के सिफारिश को मंजूरी दी है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच का सामना कर रहे सेंथिल बालाजी को बुधवार को उच्चतम न्यायालय ने ''पद और स्वतंत्रता के बीच'' चुनाव करने के लिए कहा था और चेतावनी दी थी कि अगर वह मंत्री पद से इस्तीफा नहीं देते हैं तो उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी।

वहीं पोनमुडी ने हाल में अपनी शैव-वैष्णव टिप्पणी से बड़ा विवाद पैदा कर दिया था, जिसकी व्यापक आलोचना हुई थी, यहां तक कि मद्रास उच्च न्यायालय ने बाद में इस मामले पर कार्यवाही शुरू की थी।

हालांकि उन्हें पार्टी के एक प्रमुख पद से हटा दिया गया था लेकिन विपक्षी दलों और अन्य हलकों से उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर करने की मांग की जा रही थी।

परिवहन मंत्री एस एस शिवशंकर को बिजली विभाग दिया गया है, जो सेंथिल बालाजी के पास था। इसके अलावा, आवास मंत्री एस मुथुसामी को आबकारी और निषेध विभाग दिया गया है, जो सेंथिल बालाजी के पास था।

▪ टी मनो थंगराज की वापसी

विज्ञप्ति में कहा गया है कि आर एस राजकन्नप्पन को उनके मौजूदा दूध और डेयरी विकास विभाग के अलावा पोनमुडी का वन एवं खादी विभाग भी दिया गया है।

इसके अलावा राज्यपाल ने पद्मनाभपुरम विधायक टी मनो थंगराज को मंत्रिमंडल में शामिल करने की मुख्यमंत्री की सिफारिश को स्वीकार कर लिया है। मंत्रिमंडल में पहले हुए फेरबदल में उन्हें हटा दिया गया था। मंत्री पद के लिए मनोनीत सदस्य का शपथ ग्रहण सोमवार शाम छह बजे होगा।

चार दिन में 537 पाकिस्तानी नागरिकों ने अटारी के रास्ते भारत छोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पिछले चार दिन में नौ राजनयिकों और अधिकारियों समेत कम से कम 537 पाकिस्तानी नागरिक अटारी-वाघा सीमा चौकी के रास्ते भारत छोड़ पाकिस्तान जा चुके हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि रविवार को पाकिस्तान के 12 श्रेणियों के अल्पकालिक वीजा धारकों के लिए भारत में रहने की समय सीमा समाप्त होने के मद्देनजर कई और पाकिस्तानियों के स्वदेश लौटने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पंजाब स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते 14 राजनयिकों और अधिकारियों समेत कुल 850 भारतीय नागरिक पाकिस्तान से भारत वापस आ चुके हैं।

भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़कर जाने का निर्देश दिया था।

अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नौ राजनयिकों और अधिकारियों सहित कुल 237 पाकिस्तानी नागरिक 27 अप्रैल (रविवार) को अटारी-वाघा सीमा चौकी के रास्ते पाकिस्तान लौट गए, जबकि 24 अप्रैल (बृहस्पतिवार) को 28, 25 अप्रैल (शुक्रवार) को 191 और 26 अप्रैल (शनिवार) को 81 पाकिस्तानी नागरिक स्वदेश चले गए।

अधिकारियों के मुताबिक, रविवार को 116 भारतीय नागरिक अटारी-वाघा सीमा चौकी के रास्ते भारत वापस आए, जिनमें एक राजनयिक भी शामिल है। उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल को 105 और 25 अप्रैल को 287 भारतीय नागरिक, जबकि 26 अप्रैल को 13 राजनयिकों और अधिकारियों सहित कुल 342 भारतीयों ने इस मार्ग से स्वदेश वापसी की।

भारत नहीं छोड़ने वाले पाकिस्तानियों को हो सकती है जेल

नई दिल्ली/भाषा। कोई भी पाकिस्तानी, जो सरकार द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर भारत छोड़ने में विफल रहता है, उसे गिरफ्तार किया जाएगा, मुकदमा चलाया जाएगा और उसे तीन साल तक की जेल की सजा या अधिकतम तीन लाख रुपए का जुर्माना या दोनों का सामना करना पड़ सकता है। सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को 'भारत छोड़ो' नोटिस तब जारी किया था, जब 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। दक्षेस वीजा धारकों के लिए भारत से बाहर जाने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल थी। मेडिकल वीजा रखने वालों के लिए यह अंतिम तिथि 29 अप्रैल है। जिन 12 श्रेणियों के वीजा धारकों को रविवार तक भारत छोड़ना होगा, वे हैं - आगमन पर वीजा, व्यापार, फिल्म, पत्रकार, पारगमन, सम्मेलन, पर्वतारोहण, छात्र, आगंतुक, समूह पर्यटक, तीर्थयात्री और समूह तीर्थयात्री।

असम के मुख्यमंत्री ने कहा

भारत सरकार को बांग्लादेश के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए

डिब्रूगढ़ (असम)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। यहां एक आधिकारिक समारोह के अवसर पर संवाददाताओं से बातचीत में शर्मा ने कहा, भारत को बांग्लादेश के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए लेकिन ये रणनीतिक फैसले हैं और हमें एक सीमा से आगे नहीं जाना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि केंद्र सरकार ऐसे उपायों पर सक्रियता से विचार कर रही होगी। शर्मा ने कहा, एक मुख्यमंत्री के नाते हम अनुरोध कर सकते हैं लेकिन फैसला भारत सरकार पूरे सुरक्षा पहलू पर विचार करने के बाद लेगी कि आप पाकिस्तान और बांग्लादेश से एक साथ निपटेंगे या अलग-अलग। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निर्णय केन्द्र सरकार द्वारा लिया जाएगा, लेकिन वे पूर्वोत्तर के अन्य राजनीतिक नेताओं की भावना से सहमत हैं जो बांग्लादेश के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा

भारत में है मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने रविवार को कहा कि भारत के पास एक मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली है जो बड़ी आबादी की देखभाल करने में सक्षम है और देश अंतरराष्ट्रीय जरूरतों को भी पूरा कर रहा है।

वह 'कौशल्यम' प्रयोगशाला का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे, जो मध्य महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में हेडगेवार अस्पताल द्वारा शुरू किए गए मेडिकल कॉलेज का एक हिस्सा है।

नड्डा ने कहा, ''हमारे पास एक मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली है। हमें कभी नहीं सोचना चाहिए कि यह कमजोर है। लोग अक्सर विदेशों में विकास के बारे में बात करते हैं। मैं उनसे वहां की आबादी के बारे में पूछता हूं, जो सिर्फ एक दो करोड़ है। यहां एक जिले में इतने लोग हो सकते हैं।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत विविधता में एकता के लिए जाना जाता है और इस तरह की तुलनाएं ज्यादा महत्व नहीं रखतीं।

उन्होंने कहा, ''अगर तुलना की जाए तो यह बूस्टर समेत 220 करोड़ कोविड वैक्सीन खुराक देने पर आधारित होगी। अगर भारत 'कोल्ड चेन' आपूर्ति को बनाए रखते हुए इतने बड़े पैमाने पर टीकाकरण कर सकता है, तो यह बताता है कि हमारी स्वास्थ्य प्रणाली मजबूत है।''

नड्डा ने कहा कि भारत में हर साल बड़ी संख्या में बच्चे पैदा होते हैं और उन्हें विभिन्न टीके लगाए जाते हैं, जिनका रिकॉर्ड भी रखा जाता है।

विध्वंसक अभ्यास

भारतीय नौसेना के युद्धपोतों ने लंबी दूरी के सटीक हमलों के लिए अपनी तैयारी को प्रदर्शित करते हुए सफलतापूर्वक पोत विध्वंसक अभ्यास किया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। भारतीय नौसेना ने रविवार को यह जानकारी दी। नौसेना की युद्ध क्षमता का यह प्रदर्शन, पहलगाम आतंकवादी हमले के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच हुआ है। इस आतंकी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे। इस भयावह हमले के तार सीमा पार से जुड़े होने का हवाला देते हुए भारत ने पहले ही इसमें शामिल लोगों को कड़ी सजा देने की बात कही है। हमले से भारत और विदेशों में व्यापक आक्रोश फैल गया है। भारतीय नौसेना के एक अधिकारी ने कहा, ''भारतीय नौसेना के पोतों ने लंबी दूरी के सटीक आक्रामक हमले के लिए मंचों, प्रणालियों और चालक दल की तत्परता को पुनः प्रमाणित करने और प्रदर्शित करने के लिए पोत विध्वंसक अभ्यास सफलतापूर्वक किया।'' इसमें कहा गया है कि भारतीय नौसेना किसी भी समय, किसी भी स्थान पर, किसी भी तरह से राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने को युद्ध के लिए तैयार है।

भाजपा-जद(एस) कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को हटाना चाहते हैं : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) राज्य की कांग्रेस सरकार को किसी भी तरह से हटाना चाहते हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे।

शिवकुमार ने यह भी कहा कि 2028 के राज्य विधानसभा चुनावों में कांग्रेस फिर से सत्ता में आएगी।

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख, राज्य में पार्टी की सरकार बनने के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसकी उपलब्धियों को रेखांकित करने और बेंगलुरु ग्रामीण जिले में विभिन्न विकास कार्यों को शुरू करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

शिवकुमार ने कहा, ''आपने (जनता ने) हमें जो ताकत दी है, उसे हम भूल नहीं सकते। कर्नाटक सरकार आज अपने प्रशासन के लिए जानी जाती है। हमने 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश किया है और सभी के लिए समान अधिकार और समान जीवन के सूत्र वाक्य के साथ सभी को हम साथ लेकर चल रहे हैं और कार्यक्रमों को लागू कर रहे हैं।''

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा और जद(एस) से पूछा कि उन्होंने लोगों, महिलाओं, किसानों, युवाओं और रोजगार सृजन के कल्याण के लिए क्या किया है।

शिवकुमार ने कहा, ''वे इस सरकार को किसी तरह हटाना चाहते हैं। कुछ केंद्रीय मंत्री यह सपना देख रहे हैं। लेकिन एक बात याद रखें कि 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस फिर से राज्य की सत्ता में आएगी।''

उनकी टिप्पणी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा भाजपा पर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार गिरा कर सत्ता हथियाने की कोशिश करने का आरोप लगाने के कुछ दिनों बाद आई है।

उन्होंने राज्य में अपनी पार्टी के सदस्यों और नेताओं से सतर्क रहने और आंतरिक मतभेदों को दूर करते हुए एकजुट रहने का आग्रह किया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों की ओर इशारा करते हुए कहा कि 'गारंटी' योजनाओं के कार्यान्वयन के कारण राज्य का खजाना खाली हो गया है, लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है।

उन्होंने एक सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, ''ऐसी स्थिति में, आज बेंगलुरु ग्रामीण क्षेत्र में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन या शिलान्यास कैसे किया जाता? अगर खजाना खाली होता तो ऐसा नहीं किया जा सकता था। भाजपा झूठ फैला रही है।''

भाजपा की 'जनाक्रोश यात्रा' को 'निराधार' और 'झूठ का पुलिंदा' बताते हुए सिद्धरमैया ने दावा किया कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने पिछले 11 वर्षों में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ा दी हैं।

दिल्ली के रोहिणी में झुग्गी बस्ती में आग लगने से दो बच्चों की मौत, 800 झुग्गियां जलकर खाक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के रोहिणी के सेक्टर-17 में रविवार सुबह झुग्गियों में लगी भीषण आग में झुलसकर दो बच्चों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन कर्मियों ने तीन घंटे की अथक मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया, लेकिन घटनास्थल पर शीतलन अभियान अभी जारी है।

रोहिणी के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि घटनास्थल से दो बच्चों के जले हुए शव बरामद किए गए, जिनकी उम्र क्रमशः ढाई साल और तीन साल है।

डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें पूर्वाह्न करीब 11:55 बजे घटना की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया, ''हमें सेक्टर 17 में श्रीनिकेतन अपार्टमेंट के पास आग लगने की सूचना मिली। हमने तुरंत दमकल की 17 गाड़ियों को भेजा। हमने अपराह्न 12.40 बजे पाया कि बहुत भीषण आग लगी हुई है, जिसके बाद अधिक गाड़ियों और कर्मियों को बुलाया गया।'' अधिकारी ने बताया कि आग लगने से करीब पांच एकड़ में फैली 800 से ज़्यादा झुग्गियां जलकर खाक हो गईं। जब अग्निशमन कर्मी आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे तो आसमान में धुएं का घना गुबार उठ रहा था। डीएफएस के अधिकारी ने कहा, ''आग पर पूरी तरह से काबू पाने में तीन घंटे से अधिक का समय लगा। शीतलन अभियान अब भी जारी है। दो बच्चों के शव बरामद कर लिए गए हैं और उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल भेज दिया गया है।''

उन्होंने कहा, ''आग अब पूरी तरह से काबू में है। शीतलन अभियान जारी है।'' घटनास्थल पर अग्निशमन विभाग के साथ-साथ पुलिस की कई टीम भी तैनात की गई हैं। डीएफएस के अनुसार, सबसे पहले एक झुग्गी में आग लगी थी और इसने तुरंत पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

अधिकारी ने बताया कि स्थान के कारण अग्निशमन कर्मियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, ''प्रभावित क्षेत्र के सामने चारदीवारी वाला एक आवासीय परिसर है, जिससे वहां पहुंचना बेहद मुश्किल है। दमकल गाड़ियों को एक के पीछे एक खड़ा करना पड़ा, जिससे अभियान में देरी हुई।''

अधिकारी ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा कि पुलिस आग लगने के वास्तविक कारण की जांच करेगी। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी से पता चला कि आग संभवतः इलाके के भीतर ही लगी होगी।

अमावस्या अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मैसूर बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के समीप गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा प्रति अमावस्या पर आयोजित अन्नदान के तहत रविवार को 87वें अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें करीब साढ़े तीन हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों ने प्रसाद पाया। यह अन्नदान कार्यक्रम स्व. रणजीतमल कानूंगा परिवार एवं समिति के मासिक सदस्यों के सौजन्य से हुआ। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, मनोहरलाल बाफना, किरणचंद बोहरा, मुकेश कांटेड़, यशवंत सालेचा, अनिल पोकरणा, मानमल बाफना, कोषाध्यक्ष मनोहर बाफ़ना विनोद चौरड़िया, उत्तमचंद चुतर, रितु संचेती आदि ने अपने हाथों से अन्नदान किया।

लातूर में दो समूहों में झड़प, एक शिक्षक की पीट-पीटकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लातूर/भाषा। महाराष्ट्र में लातूर जिले के निलंगा तहसील में दो समूहों के बीच झड़प के बाद एक शिक्षक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को कहा कि यह गलत पहचान का मामला है।

कासर सिरसी पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि यह झड़प शनिवार दोपहर औंधा गांव में बाबा साहब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर निकाले गए जुलूस के सिलसिले में हुई। बाबा साहब अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को मनाई जाती है।

उन्होंने बताया, ''विवाद शुक्रवार को जुलूस निकाले जाने के दौरान हुआ। फिर शनिवार को उसी घटना को लेकर बहस हुई, जो झड़प में तब्दील हो गई। उस समय अपने खेत में काम कर रहे बादुर गांव के शिक्षक गुरुलिंग अशोक हसद्रे (38) पर एक समूह ने प्रतिद्वंद्वी गुट का सदस्य समझकर हमला कर दिया।''

उप निरीक्षक अजय पाटिल ने कहा,''गंभीर रूप से घायल हसद्रे की बाद में मौत हो गई। हमने 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिनमें से एक की पहचान नहीं हो पाई है। इनमें से चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है।''

नारायण राणे ने केंद्र के सिंधु जल संधि निर्णय पर शंकराचार्य के विचारों का विरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने रविवार को शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की उस टिप्पणी से असहमति जताई जिसमें उन्होंने सिंधु नदी के जल प्रवाह को रोकने की भारत की क्षमता पर सवाल उठाया था। राणे ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लिए गए सुरक्षा संबंधी फैसलों पर सार्वजनिक रूप से बहस नहीं होनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसके बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित करने समेत पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए। शंकराचार्य के वीडियो संदेश का हवाला देते हुए राणे ने कहा, ''हम उनका सम्मान करते हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से यह निर्णय लिया गया है। देश से बड़ा कोई नहीं है।'' शंकराचार्य ने दावा किया था कि भारत में सिंधु नदी के पानी को मोड़ने या बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे की कमी है और ऐसी सुविधाओं के निर्माण में दो दशक लग सकते हैं। वीडियो संदेश में सरस्वती ने कहा

कि संधि पर केंद्र ''लोगों को बेवकूफ बना'' रहा है। विश्व बैंक की मध्यस्थता वाली संधि के तहत भारत को पूर्वी नदियों- सतलुज, ब्यास और रावी के पानी पर विशेष अधिकार दिए गए थे, जिसका औसत वार्षिक प्रवाह लगभग 33 मिलियन एकड़ फुट (एमएएफ) है। पश्चिमी नदियों-सिंधु, झेलम और चिनाब का पानी बड़े पैमाने पर पाकिस्तान को आवंटित किया गया था, जिसका औसत वार्षिक प्रवाह लगभग 135 एमएएफ है। संधि के स्थगित होने के बाद सरकार सिंधु, झेलम और चिनाब के पानी का उपयोग करने के तरीकों पर विचार कर रही है। राणे ने कहा कि वह सिंधुदुर्ग के छोटे तालुका डोडामार्ग के निकट 1,000-1,200 एकड़ के भूखंड पर 500 विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए उद्योगपतियों गौतम अडाणी, सज्जन जिंदल और अन्य के साथ बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा, ''इससे एक लाख नौकरियां पैदा होंगी और जिले की प्रति व्यक्ति आय 2.50 लाख रुपए से बढ़कर तीन लाख रुपए से अधिक हो जाएगी।''

मुंबई में दो समूहों के बीच झड़प में तीन लोग घायल, दुकानों में तोड़फोड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुंबई में मामूली बात को लेकर दो समूहों के बीच हुई झड़प में तीन लोग घायल हो गए तथा दुकानों एवं वाहनों में तोड़फोड़ की गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि सांताक्रूज (पूर्व) के गोलीबार इलाके में शनिवार रात को यह झड़प हुई। उन्होंने बताया कि दो समूहों के बीच झड़प हुई और अज्ञात लोगों ने इलाके की दुकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की।

अधिकारी ने बताया कि इस झड़प में तीन लोग घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि इस घटना की सीसीटीवी फुटेज में उपद्रवी बांस की लाठियों से दुकानों में तोड़फोड़ करते हुए नजर आ रहे हैं।

अधिकारी ने बताया कि वकोला पुलिस ने इस घटना के संबंध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) अधिनियम की धारा 189 (अवैध रूप से एकत्र होना), 191 (दंगा) और 115 (हमला) सहित संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करेगी।

लोग धैर्य रखें, सरकार पहलगाम हमले के गुनाहगारों पर कर रही कार्रवाई : वीके सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उज्जैन/भाषा। मिजोरम के राज्यपाल जनरल वी के सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर रविवार को जनता से धैर्य रखने की अपील की और कहा कि सरकार कार्रवाई कर रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेना प्रमुख सिंह विक्रम विश्वविद्यालय में एक समारोह को संबोधित करने के लिए उज्जैन में थे।

सिंह ने पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्या के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ''... सरकार इस पर कुछ कार्रवाई कर रही है। हम सभी को धैर्य रखना चाहिए और भविष्य में सतर्क रहना चाहिए, ताकि अगर हमें कुछ भी असामान्य दिखाई दे, तो हम पहले से ही इसका पता लगा सकें।''

भारत और पड़ोसी देश के बीच तनाव के बीच पाकिस्तान की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सिंह ने कहा, ''आप पाकिस्तान के बारे में बात क्यों कर रहे हैं? हमारे देश के बारे में बात करें।'' विश्वविद्यालय के छात्रों का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि उन्होंने भविष्य में देश को चलाने वाले युवाओं से कहा है कि उन्हें खुद को सशक्त बनाने की जरूरत है। विश्वविद्यालय में कार्यक्रम के बाद उन्होंने प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की।

कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित रखना भी शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा था कि भारत ऐसा बदला लेगा जिसकी पाकिस्तान ने कल्पना भी नहीं की होगी। उन्होंने कहा था, ''पहलगाम के दोषियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा मिलकर रहेगी। इस हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई तो किसी ने जीवनसाथी खोया। आज पूरे देश में इस बात का आक्रोश है।

छत्तीसगढ़

विद्यार्थियों को नमाज के लिए बाध्य करने पर शिक्षकों समेत 8 लोगों पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के दौरान कुछ विद्यार्थियों को नमाज अदा करने के लिए मजबूर करने के आरोप में सात शिक्षकों समेत आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कोटा थाना क्षेत्र के शिवतराई गांव में 26 मार्च से एक अप्रैल तक आयोजित एनएसएस शिविर के दौरान 159 विद्यार्थियों को नमाज अदा करने के लिए मजबूर किया गया, था जबकि उनमें से केवल चार मुस्लिम थे। 'पीटीआई-भाषा' ने 26 अप्रैल की अपनी खबर में भूलवश इसका 'एनसीसी' शिविर के रूप में जिक्र किया था। इस चूक के लिए खेद है।

अधिकारी ने बताया कि विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन के बाद जांच शुरू की गई, जिसके बाद दक्षिणपंथी संगठनों ने भी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर आंदोलन किया।

उन्होंने बताया, ''यह घटना 31 मार्च को हुई थी। बिलासपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने मामले की जांच के लिए नगर पुलिस अधीक्षक (कोतवाली) अक्षय सबदरा के नेतृत्व में चार सदस्यीय समिति गठित की थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को जांच रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद शनिवार को मामला दर्ज किया गया।''

अधिकारी ने बताया कि गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के सात अध्यापकों और टीम के मूल नेतृत्वकर्ता एवं छात्र पर भारतीय न्याय संहिता और छत्तीसगढ़ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत धर्म के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और अन्य अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

कोटा थाने के प्रभारी सुमित कुमार ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि 'केस डायरी' मिल गई है और जांच शुरू हो गई है। उन्होंने कहा, ''प्राथमिकी में नामजद लोगों को बयान दर्ज कराने के लिए पेश होने का नोटिस भेजा जाएगा। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।''

बढ़ती असमानता देश की आर्थिक वृद्धि की प्रकृति में गहराई से समा गई है: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को एक विश्व बैंक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि बढ़ती असमानता अब देश की आर्थिक वृद्धि की प्रकृति में गहराई से समा गई है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार, खुलेआम किये जा रहे कॉरपोरेट पक्षपात को समाप्त करने और परिवारों को आय सहायता प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता है।

कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि विश्व बैंक ने इस महीने भारत के लिए अपनी गरीबी और समानता रिपोर्ट (पॉवर्टी एंव इक्विटी ब्रीफ) जारी की है और रिपोर्ट में कई गंभीर चिंताएं जताई गई हैं, जबकि मोदी सरकार इसे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल की कोशिश कर रही है।

विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा है, ''पिछले एक दशक के दौरान भारत में गरीबी में उल्लेखनीय कमी आई है। वर्ष 2011-12 में अत्यधिक गरीबी में जीवनयापन करने वालों (प्रतिदिन 2.15 अमेरिकी डॉलर से कम पर जीवन यापन) का आंकड़ा 16.2 प्रतिशत था, जो 2022-23 में घटकर 2.3 प्रतिशत रह गया है। इस दौरान 17.1 करोड़ लोग इस रेखा से ऊपर आ गए।''

रिपोर्ट पर अपने बयान में रमेश ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा (2.15 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन) के आधार पर किये गए आकलन के अनुसार, हाल के वर्षों में गरीबी में निरंतर गिरावट आई है और यह अब बेहद निम्न स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा, ''यह भारत की विकास गाथा की सफलता को दर्शाता है - जिसकी शुरुआत जून 1991 में उदारीकरण से हुई थी और इसके बाद इसने अपनी गति पकड़ ली है। यह डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार द्वारा 2004-14 के दौरान शुरू की गई कई महत्वपूर्ण सामाजिक कल्याण योजनाओं के प्रभाव को भी रेखांकित करता है।''

रमेश ने दावा किया कि इसमें सबसे प्रमुख पहल है महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005, जिसने करोड़ों परिवारों के लिए वार्षिक आय की एक न्यूनतम सीमा सुनिश्चित कर परिवारों को गरीबी से बाहर रखने के लिए एक सुरक्षा जाल के रूप में कार्य किया। उन्होंने कहा कि इसके अलावा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेवाई) के लिए आधार प्रदान किया।

हालांकि, उन्होंने बताया कि विश्व बैंक ने भी चेतावनी दी है कि अधिक अद्यतन डेटा (2017 की तुलना में 2021 से क्रय शक्ति समता रूपांतरण कारक को अपनाना) का परिणाम अत्यधिक गरीबी की उच्च दर के रूप में सामने आएगा। रमेश ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, ''घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 से जुड़ी प्रश्नावली के डिजाइन, सर्वेक्षण की विधि और 'सैंपलिंग' (नमूना एकत्र करने का तरीका) में परिवर्तन से अलग-अलग कालखंड के बीच तुलना करना मुश्किल हो गया है।'' उन्होंने कहा, ''यह याद रखना जरूरी है कि ये बदलाव तब किये गए जब सरकार ने 2017-18 में हुए पिछले सर्वेक्षण को खारिज कर दिया, क्योंकि इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में खपत में गिरावट दिखाई गई थी।''

रमेश ने कहा कि निम्न मध्यम आय वाले देश भारत में गरीबी को मापने के लिए उपयुक्त पैमाना 3.65 डॉलर प्रतिदिन की आय है। उन्होंने कहा कि इस आधार पर भारत में वर्ष 2022 में गरीबी दर काफी अधिक (28.1 फीसदी) रही है।

पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान से जुड़े हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में पुलिस ने पाकिस्तान से कथित संबंध रखने वाले एक हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है और अमृतसर से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

गिरफ्तार आरोपी के पास से सात पिस्तौल, चार कारतूस और डेढ़ लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, एक विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, 'काउंटर इंटेलिजेंस' अमृतसर ने पाकिस्तान से जुड़े एक अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया और अमृतसर से अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया, जिसके कब्जे से सात पिस्तौल, चार कारतूस और डेढ़ लाख रुपए नकद रुपए बरामद किए।

बालक का अपहरण करने पर ट्यूटर गिरफ्तार, बच्चे को दार्जिलिंग से कराया गया मुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होशियारपुर (पंजाब)/भाषा। पंजाब के होशियारपुर से एक माह पूर्व ट्यूटर द्वारा कथित रूप से अगवा कर लिये गये 13 वर्षीय एक बालक को पुलिस ने मुक्त कराने के साथ ही अपहर्ता को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

मॉडल टाउन थाने के प्रभारी उपनिरीक्षक गुरसाहिब सिंह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा का यह बालक यहां अपने माता-पिता के साथ किराये के मकान में रह रहा था।

उन्होंने बताया कि कक्षा सातवीं का यह बालक दशमेश नगर के भूपेंद्र सिंह (51) से प्रतिदिन अपराह्न तीन बजे से साढ़े सात बजे तक ट्यूशन पढ़ता था।

पुलिस के अनुसार भूपिंदर सिंह ने किसी तरह बालक के माता-पिता को मना लिया कि वे उसे दो दिन के लिए शिमला ले जाने दें। लेकिन 12 मार्च को बालक को अपने साथ ले जाने के बाद उसने परिवार के सभी संपर्क नंबर को ब्लाक कर दिया और बच्चे को किसी से बात करने से भी रोक दिया।

बालक के माता-पिता लगभग 18 दिनों तक खुद ही उसकी तलाश करते रहे लेकिन जब वे अपहरणकर्ता और अपने बच्चे का पता लगाने में असफल रहे, तो उन्होंने प्राथमिकी दर्ज कराई।

कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत दो अप्रैल को यहां मॉडल टाउन थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी

भूपेंद्र की तलाश शुरू की गई जो गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार अपना ठिकाना बदल रहा था। आखिरकार, पुलिस ने उसे पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग के एक होटल में पाया और दो दिन पहले उसे गिरफ्तार कर लिया। लड़के को सुरक्षित मुक्त करा लिया गया।

पुलिस ने कहा कि आरोपी बालक को नेपाल सीमा के करीब ले गया था और इस बात की प्रबल संभावना है कि वह बच्चे के साथ नेपाल भी गया हो।

मुक्त कराये गये बालक को बाल कल्याण समिति के समक्ष जबकि आरोपी को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपी को उससे पूछताछ के लिए चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

पुलिस इस अपहरण के पीछे की मंशा का पता लगाने में जुटी है।

कृत्रिम मेधा का मतलब कौशल विकास है, नौकरी खत्म होना नहीं: टीसीएस वैश्विक एआई प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की कृत्रिम मेधा (एआई) इकाई के वैश्विक प्रमुख अशोक कृष ने कहा कि एआई नई प्रौद्योगिकियों के सृजन को बढ़ावा देगी तथा कार्य की प्रकृति को नया आकार देगी।

उन्होंने कहा कि एआई को कौशल परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि नौकरियों के लिए खतरे के नजरिए से। कृष ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में बताया कि एआई केवल एक प्रौद्योगिकी बदलाव नहीं है, बल्कि एक

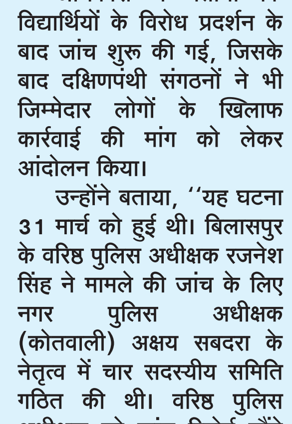

सांस्कृतिक परिवर्तन है जिसके लिए ऐसे कार्यान्वयन के साथ-साथ लोगों के काम करने के तरीके को बदलने की आवश्यकता है। पिछले तीन दशकों में विघटनकारी प्रौद्योगिकियों - मेनफ्रेम से लेकर इंटरनेट, ई-कॉमर्स, डिजिटल और क्लाउड तक की बार-बार लहरें देखी गई हैं। प्रत्येक बदलाव ने भविष्य की संभावनाओं के बारे में आशंकाएं और कभी-कभी 'भयभीत करने वाली' भावनाएं पैदा की हैं।

मुझे लगता है कि इसे नौकरी घटने के नजरिए से देखना गलत है और यह कौशल विकास का एक अवसर है।

व्यापक रुझान को देखते हुए, उन्होंने कहा कि एआई सिर्फ़ अगला विकास है, जो अंततः अधिक प्रौद्योगिकी के निर्माण की ओर ले जाएगा, क्योंकि यह पूरी प्रक्रिया को सरल बनाता है। कृष ने कहा, इसलिए मुझे लगता है कि इसे नौकरी घटने के नजरिए से देखना गलत है और यह कौशल विकास का एक अवसर है। एआई मौजूदा तकनीक का विस्तार करेगा, लेकिन इसके जरिये किए जाने वाले काम की प्रकृति भिन्न होगी।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले व्यक्ति के घर पहुंचे

कोच्चि/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने रविवार को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले 65 वर्षीय एन रामचंद्रन के घर का दौरा किया। वित्त मंत्री के एन बालगोपाल और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की केरल इकाई के सचिव एम. वी. गोविंदन भी मुख्यमंत्री के साथ कोच्चि के निकट एडापल्ली में मंगट्टू रोड स्थित एन रामचंद्रन के घर पर पहुंचे। विजयन ने परिवार के साथ कुछ मिनट बिताए और रामचंद्रन की पत्नी शीला तथा बेटी आरती को सांत्वना दी।

रामचंद्रन का अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने आतंकी हमले की निंदा की थी और कहा था कि इस घटना ने देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। विजयन ने कहा था, हमारा दुख बढ़कर दोगुना हो जाता है क्योंकि जान गंवाने वाले लोगों में से एक व्यक्ति केरल का निवासी था। हम रामचंद्रन के परिजनों के शोक में शामिल हैं। रामचंद्रन अपनी पत्नी शीला, बेटी आरती (जो दुबई में काम करती हैं) और उसके जुड़वां बेटों के साथ कश्मीर में छुट्टियां मनाने गए थे, जहां रामचंद्रन की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेल सेवा

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण पश्चिम रेलवे ने अधिसूचित किया है अगले विशेष ट्रेनें ग्रीष्म ऋतु के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए ट्रेन सं. 06521/0 6522 एसएमवीटी बेंगलूरू-मदुरै-एसएमवीटी बेंगलूरु विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

ट्रेन नं . 06521 एस एमवीटी बेंगलूरू-मदुरै विशेष एस एमवीटी बेंगलूरु से 30 अप्रैल को बुधवार को 19.00 बजे प्रस्थान करेगी और 30 अप्रैल से अगले दिन 06.15 बजे मदुरै पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन सं. 06522 मदुरै-एस एमवीटी बेंगलूरु विशेष ट्रेन 1 मई गुरुवार को मदुरै से 09.10 बजे रवाना होगी और उसी दिन 19.50 बजे एस एमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। इस ट्रेन में दो एसी टू टियर कोच, 16 एसी थ्री टियर कोच, और दो लगेज सह ब्रेक वैन होंगे।

मंगलूरु में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक से 'दुर्व्यवहार' करने पर दो लोगों पर मामला दर्ज

मंगलूरु। मंगलूरु से लगभग 50 किलोमीटर दूर पुत्तूर सरकारी अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात एक चिकित्सक के साथ कथित तौर पर शुक्रवार को दुर्व्यवहार करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि आरोपियों की पहचान ज़ोहरा और उसके बेटे अब्दुल समद के रूप में हुई है।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी (डीएचओ) डॉ. थिम्मैया एच आर ने बताया कि यह घटना शुक्रवार दोपहर उस समय हुई जब अस्पताल की प्राशासनिक अधिकारी डॉ. आशाज्योति पुत्तूरया अस्पताल में नियमित दौरे पर थीं। उन्होंने देखा कि आरोपियों सहित अनेक लोगों का एक समूह अस्पताल के नियमों का उल्लंघन करते हुए एक महिला मरीज से मिलने पहुंचा था। जब आशाज्योति ने आगंतुकों को अपनी संख्या सीमित करने और अस्पताल के दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी तो समूह के दो सदस्यों ने कथित तौर पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया। गलत व्यवहार देखकर अस्पताल के कर्मचारियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और मामले की जानकारी अधिकारियों को दी जिनके निर्देश पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई और आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया।

थिम्मैया ने घटना की निंदा की और स्वास्थ्य अधिकारियों एवं चिकित्साकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, चिकित्सक और चिकित्सा कर्मचारी मरीजों की सेवा के लिए अथक प्रयास करते हैं और उनके साथ किसी भी प्रकार की धमकी या उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस घटना के बाद अस्पताल के चिकित्सा और गैर-चिकित्सा कर्मचारियों ने अचानक हड़ताल कर दी और सभी कामकाज ठप कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है लेकिन इस मामले में अभी किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है।

स्टालिन ने सर पिट्टी थियागरयार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने जस्टिस पार्टी के सह-संस्थापक सर पिट्टी थियागरयार की 174वीं जयंती पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और चेन्नई शहर के विकास में उनके योगदान को याद किया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर 'पोस्ट' साझा कर कहा कि थियागरयार द्रविड़ कझगम के पूर्ववर्ती दल जस्टिस पार्टी के संस्थापकों में से एक थे। स्टालिन ने कहा कि उन्होंने शिक्षा, नागरिक सुविधाओं, पेयजल और मध्याह्न भोजन योजना के क्षेत्रों में चेन्नई के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने ने बताया कि हालांकि थियागरयार को तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी का मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला था, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा, आइए, हम 100 साल पहले हमारे शासन के द्रविड़ मॉडल का एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार करने वाले थियागरयार को याद करें और तमिलनाडु के विकास के लिए प्रयास करें। स्टालिन के अनुसार, द्रविड़ मॉडल का मतलब समग्र विकास के उद्देश्य से समावेशी शासन है।

स्वच्छ भारत अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के आरएस पुरम् स्थित कॉर्पोरेशन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में टीएडीसीओ योजना के अंतर्गत 3,418 लाभार्थियों को स्वच्छ भारत अभियान कार्ड वितरित करते हुए किए उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन। इस कार्यक्रम में बिजली, निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री, वी. सेंथिलबालाजी, मानव संसाधन प्रबंधन मंत्री एन. कयालविझी सेल्वराज, संसद सदस्य डॉ. गणपति पी. राजकुमार, कास्वरस्वामी उपस्थित थे। कोयम्बटूर नगर निगम महापौर का. रंगनायकी रामचंद्रन, उप महापौर थिरूरा, वेट्री सेलवाना, जिला कलेक्टर पवन कुमार आदि उपस्थित थे।

तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को रविवार तड़के बम से उड़ाने की धमकी मिली, जो बाद में झूठी निकली। एक ई-मेल भेजकर यह धमकी दी गई थी। पुलिस ने बताया कि यह ई-मेल हवाई अड्डा प्रबंधक की आधिकारिक ईमेल आईडी पर प्राप्त हुआ्। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, सूचना मिलते ही केरल पुलिस और सीआईएसएफ कर्मियों ने हवाई अड्डे और उसके परिसर की गहन जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। बम की धमकी झूठी साबित हुई।

अधिकारियों के अनुसार, एहतियात के तौर पर हवाई अड्डे की बम खतरा आकलन समिति ने हवाई अड्डे पर प्रासंगिक सुरक्षा उपाय लागू किए हैं। हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि हवाई अड्डा प्रबंधन इस संबंध में सुरक्षा एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि धमकी से हवाई अड्डा संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा, यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री विजयन के मुख्य प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम को पद से हटा देना चाहिए : सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने रविवार को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के मुख्य प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम के इस्तीफे की मांग की। इससे पहले, केरल उच्च न्यायालय ने अब्राहम के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों की सीबीआई जांच के निर्देश दिए थे। अपने निर्वाचन क्षेत्र उत्तर परवूर में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सतीशन ने कहा कि यह राज्य के लिए शर्म की बात है कि अब्राहम (जिन पर इतने गंभीर आरोप हैं) मुख्यमंत्री कार्यालय में महत्वपूर्ण पद पर बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद अब्राहम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

सतीशन ने कहा, अदालत को प्रथम दृष्टया इस बात के सबूत मिले हैं कि उनके पास उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति है। यह भी पाया गया कि मुख्यमंत्री के अधीन कार्यरत सतर्कता विभाग ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, जिसके कारण अदालत ने सीबीआई जांच का आदेश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब्राहम (जो मुख्य सचिव के पद पर भी सेवा दे चुके हैं) को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

सतीशन ने कहा, अगर वह पद छोड़ने से इनकार करते हैं तो मुख्यमंत्री को उन्हें पद से हटा देना चाहिए। क्या मुख्यमंत्री अब्राहम से इसलिए डरते हैं कि वह लवलीन मामले में गवाह थे? कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अब्राहम ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में खुलासा किया है कि उनके पास प्रमुख व्यक्तियों के 10,000 सेकंड के कॉल डेटा रिकॉर्ड हैं। अब्राहम ने अवैध फोन टैपिंग की बात स्वीकार की है। सतीशन ने पूछा, क्या फोन टैपिंग कराना मुख्य प्रधान सचिव का काम है? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गंभीर वित्तीय संकट के बावजूद वर्षगांठ समारोह पर 100 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है। सतीशन ने कहा, मुख्यमंत्री राज्य के बढ़ते कर्ज पर चिंता जताने वालों की आलोचना करते हैं और उन्हें 'विकास विरोधी' करार देते हैं। उन्होंने कहा कि एलडीएफ के शासन के दौरान राज्य का कर्ज 2016 के 1.67 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर पिछले दस वर्षों में 6 लाख करोड़ रुपये हो गया है। सतीशन ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री विजयन का प्रयास अब विस चुनाव से पहले भाजपा के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित है। सतीशन ने यह भी कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ नीलांबुर उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा उसी दिन करेगी, जब उपचुनाव की घोषणा की जाएगी।

'हाइब्रिड गांजा' रखने के आरोप में मलयालम निर्देशक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। मलयालम निर्देशक खालिद रहमान और अशरफ हम्सा समेत तीन लोगों को शनिवार देर रात कोच्चि स्थित एक फ्लैट से 'हाइब्रिड गांजा' रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आबकारी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के पास से 1.63 ग्राम 'हाइब्रिड गांजा' जब्त किया गया। हालांकि, उन्होंने कहा कि बाद में तीनों को थाने से जमानत पर रिहा कर दिया गया।

इस घटनाक्रम के मद्देनजर 'फिल्म इंप्लाइज फेडरेशन ऑफ केरल' (एफईएफकेए) निदेशक संघ ने दोनों फिल्म निर्माताओं को संगठन से निलंबित कर दिया। यहां जारी एक बयान में संगठन के अध्यक्ष रेनजी पणिक्कर और महासचिव जी एस विजयन ने कहा कि चल रही जांच की प्रगति की जांच के बाद आगे कदम उठाए जाएंगे।

आबकारी सूत्रों के अनुसार, विश्वसनीय स्रोत से यह जानकारी मिली थी कि कोच्चि में एक फ्लैट में मादक पदार्थ का इस्तेमाल हो रहा है। यह फ्लैट सिनेमटोग्राफर समीर ताहिर के नाम पर किराए पर लिया गया था। इस जानकारी के आधार पर आबकारी विभाग की एक विशेष टीम ने शनिवार देर रात दो बजे उस फ्लैट पर छापा मारा। उन्होंने बताया कि रहमान और हम्सा के साथ गिरफ्तार किया गया तीसरा व्यक्ति उनका मित्र शालिफ मोहम्मद था।

आबकारी अधिकारी ने कहा, उनके पास से 1.63 ग्राम हाइब्रिड गांजा जब्त किया गया। उनके खिलाफ स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। आबकारी विभाग ने बताया कि संबंधित लोगों के पास मौजूद मादक पदार्थ के स्रोत का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू की गई है। आबकारी उपायुक्त (एर्णाकुलम) टी एम माजू ने कहा कि घटना के संबंध में ताहिर को भी जल्द ही पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। उन्होंने बाद में संवाददाताओं से कहा, अगर उन्होंने इन फिल्म निर्माताओं को अपने फ्लैट में मादक पदार्थ का सेवन करने की जगह दी है तो हमें उनसे भी पूछताछ करनी होगी। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ रोधी इन अभियानों में आबकारी विभाग को सरकार और संबंधित मंत्री का पूरा सहयोग प्राप्त है।

खालिद रहमान जहां 'अनुराग करिक्किनवेल्लम' और उंदा' जैसी लोकप्रिय फिल्मों के निर्देशक हैं, वहीं अशरफ हम्सा भीमंते वाझी' जैसी फिल्मों के निर्माता हैं। यह घटना अभिनेता शाइन टॉम चाको को मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार किये जाने के कुछ दिनों बाद हुई है।

कर्नाटक के राज्यपाल गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, इसरो प्रमुख ने कस्तूरीरंगन को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या सहित कई लोगों ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष के कस्तूरीरंगन को रविवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलूरु में 84 साल की उम्र में निधन हो गया था। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, वह पिछले कुछ महीनों से उम्र संबंधी जटिलताओं का सामना कर रहे थे। उनके परिवार में दो बेटे हैं।

राष्ट्रीय ध्वज में लिपटे कस्तूरीरंगन के पार्थिव शरीर को जनता एवं शुभचिंतकों के अंतिम दर्शन के लिए रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) में रखा गया था। इसके बाद पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। गहलोत ने कस्तूरीरंगन के परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने बाद में पत्रकारों से बात करते हुए कस्तूरीरंगन के साथ कई मौके पर हुई बातचीत का जिक्र किया। गहलोत ने कहा, वह (कस्तूरीरंगन) राष्ट्र और विश्व के लिए किए गए कार्यों के माध्यम से जीवित हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पूर्व इसरो प्रमुख को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि कस्तूरीरंगन का निधन देश के लिए, विशेषकर वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक अपूर्णनीय क्षति है। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उनका बहुत बड़ा योगदान है। वह लंबे समय तक इसरो के अध्यक्ष रहे और शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है। उन्हें भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने दुनियाभर में पुरस्कार और प्रशंसा हासिल की। कस्तूरीरंगन ने पश्चिमी घाट पर उच्च स्तरीय कार्य समूह के अध्यक्ष के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कर्नाटक के लिए उनका योगदान बहुत बड़ा है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और इसरो के पूर्व प्रमुख एएस किरण कुमार, के सिवन और एस सोमनाथ सहित कई लोगों ने कस्तूरीरंगन को श्रद्धांजलि दी। वैज्ञानिक और शैक्षणिक समुदाय के साथ-साथ इसरो के कई कर्मियों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कस्तूरीरंगन ने अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को आकार देने में अहम योगदान दिया : इसरो प्रमुख

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने डॉ. कस्तूरीरंगन को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं एवं शैक्षणिक ढांचे को आकार देने में अहम भूमिका निभाई और भविष्य के लिए नजरिया दिया। नारायणन ने शोक संदेश में कहा कि कस्तूरीरंगन का जीवन ज्ञान अर्जित करने और राष्ट्र की उन्नति में उसका इस्तेमाल करने के लिए समर्पित रहा तथा उन्होंने एक स्थायी विरासत छोड़ी है।

इसरो के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को 84 वर्ष की आयु में बेंगलूरु में निधन हो गया। वह करीब एक दशक तक अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख रहे। उनकी पार्थिव देह को लोगों के अंतिम दर्शन के लिए रविवार को रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) में रखा गया। बाद में, पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। नारायणन ने कहा, भारतीय परंपरा में यह माना जाता है कि महान व्यक्तियों द्वारा बोए बीज शक्तिशाली वृक्ष बनते हैं जो आगामी पीढ़ियों को छाया एवं पोषण प्रदान करते हैं, जिससे एक समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र और विरासत का निर्माण होता है। अंतरिक्ष और शिक्षा के क्षेत्र में प्रोफेसर कस्तूरीरंगन द्वारा किए गए दूरदर्शी कार्य ने वास्तव में ऐसे विशाल वृक्षों का रूप ले लिया है, जिन्होंने विज्ञान में करियर बनाने और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने के लिए अनगिनत व्यक्तियों को प्रेरित किया है।

कांग्रेस ने पहलगाम हमले के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई में केंद्र को पूर्ण समर्थन दिया : खरगे

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी ने पहलगाम आतंकवादी हमले के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई में केंद्र सरकार को पूरा समर्थन दिया है और उन्हें इसका समुचित इस्तेमाल करना होगा, सभी को विश्वास में लेकर आगे बढ़ना होगा।

खरगे ने कहा कि देश महत्वपूर्ण है और इसकी रक्षा के लिए सभी को मिलकर लड़ना होगा तथा इसके कल्याण के लिए काम करना होगा। हालांकि, उन्होंने आतंकवादी हमले पर चर्चा के लिए बृहस्पतिवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शामिल नहीं होने पर आपत्ति भी जताई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए। मृतकों में कर्नाटक के दो लोग भी शामिल थे।

खरगे ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''मैं पहले ही कह चुका हूं कि (सर्वदलीय बैठक में) उन्हें (प्रधानमंत्री को) आना चाहिए था। उनका नहीं आना सही नहीं है...देश महत्वपूर्ण है, धर्म, भाषा बाद में आते हैं। इसलिए, हम सभी को देश के लिए मिलकर लड़ना चाहिए। मैंने कई बार कहा है कि हम सरकार को समर्थन देते हैं।''

यदि अपरिहार्य हो तो ही पाकिस्तान के साथ युद्ध हो, हमने इसके लिए पूरी तरह मना नहीं किया : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पहलगाम आतंकवादी हमले पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री की टिप्पणी को पाकिस्तानी मीडिया में तूल दिये जाने और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना के बीच सिद्दरामय्या ने रविवार को स्पष्ट किया कि उन्होंने युद्ध के लिए पूरी तरह से मना नहीं किया है, बल्कि उनका मतलब यह था कि युद्ध तभी होना चाहिए जब यह अपरिहार्य हो, क्योंकि यह समाधान नहीं है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पहलगाम आतंकवादी हमले के संबंध में कहा था कि युद्ध की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों को सुरक्षा मुहैया कराना केंद्र सरकार का दायित्व था। उन्होंने अपना यह रुख दोहराया कि इस संबंध में खामियां रहीं और इस घटना को रोकने में खुफिया एजेंसियां विफल रहीं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें दो लोग कर्नाटक से थे। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''युद्ध की कोई जरूरत नहीं है, इसका मतलब है कि अगर अपरिहार्य हो तो युद्ध होना चाहिए... केवल तभी युद्ध होना चाहिए जब अपरिहार्य हो, युद्ध से कोई समाधान नहीं निकल सकता। मैंने युद्ध की मांग की मनाही नहीं की है।'' जब मुख्यमंत्री से कहा

गया कि पाकिस्तान का मीडिया उनके बयान को तूल दे रहा है तो उन्होंने कहा, मैंने पाकिस्तान के साथ युद्ध के लिए मना नहीं किया। मैंने जो कहा, वह यह कि युद्ध कोई समाधान नहीं है। कश्मीर में बहुत से पर्यटक जाते हैं, इसलिए वहां सुरक्षा मुहैया कराई जानी चाहिए थी। सुरक्षा मुहैया कराना किसकी जिम्मेदारी है? यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। मैंने कहा कि यह विफलता है।

उन्होंने कहा, ''(पहलगाम में) 26 लोग मारे गए हैं, (पुलवामा में) 40 सैनिक मारे गए थे। इसलिए यह भारत सरकार के खुफिया तंत्र की विफलता है। मैंने कहा है कि भारत सरकार ने उचित सुरक्षा मुहैया नहीं कराई। अगर युद्ध अपरिहार्य है तो होना चाहिए, ऐसा नहीं है कि ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए। लेकिन तत्काल युद्ध की कोई जरूरत नहीं है, यही मैंने कहा है।''सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा था कि ''पाकिस्तान के साथ युद्ध की कोई जरूरत नहीं है'', बल्कि केंद्र सरकार को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। उन्होंने कहा था, युद्ध की कोई जरूरत नहीं है, बल्कि कड़े कदम उठाये जाने चाहिए।

राज्यपाल ने बेंगलूरु गोल्फ क्लब में 'गवर्नर कप-2025' पुरस्कार प्रदान किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने रविवार को बेंगलूरुगोल्फ क्लब में आयोजित एक भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं को प्रतिष्ठित 'गवर्नर कप-2025' पुरस्कार प्रदान किए। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने मूल्यों, आदर्शों और उत्कृष्टता की भावना को बढ़ावा देने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, इस तरह के आयोजन हमारे मूल मूल्यों का जश्न मनाते हैं और हमारे समाज और युवा एथलीटों के चरित्र को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

1876 में स्थापित बेंगलूरु गोल्फ क्लब की ऐतिहासिक विरासत पर विचार करते हुए राज्यपाल

ने गोल्फ को एक ऐसे खेल के रूप में रेखांकित किया, जिसमें धैर्य, ध्यान, अनुशासन और मानसिक लचीलापन की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, गोल्फ हमें सिखाता है कि निरंतर अभ्यास, आत्म-अनुशासन और सकारात्मक सोच के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। युवा खिलाड़ियों में उत्साह देखकर मुझे विश्वास है कि गोल्फ में भारत का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने आगे कहा कि खेल शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा, सच्ची खेल भावना हार में विनम्रता और जीत में धैर्य बनाए रखने में झलकती है। उन्होंने न केवल खेल को बढ़ावा देने के लिए बल्कि पर्यावरण संरक्षण, युवा विकास और सामाजिक जिम्मेदारी में इसके सराहनीय प्रयासों के लिए भी बेंगलूरु गोल्फ क्लब की सराहना की। राज्यपाल ने प्रभावी खेल विकास योजनाओं को लागू करने में भारत सरकार और कर्नाटक सरकार दोनों के प्रयासों की भी सराहना की, जिसके परिणाम अब दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने एथलीटों को राज्य और राष्ट्र को गौरव दिलाने के लिए इन पहलों का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर बेंगलूरु गोल्फ क्लब के कैप्टन सुनील, गवर्नर कप टूर्नामेंट के अध्यक्ष उत्पल देसाई, सचिव एस.के. रघुनंदन, कोषाध्यक्ष आर.एन. शशांक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कस्तूरीरंगन को अंतिम श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को इसरो के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन को यहां श्रद्धांजलि दी। उनका 25 अप्रैल को बेंगलूरु में निधन हो गया था।

प्रधान ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बेंगलूरु के रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट में डॉ. के. कस्तूरीरंगन जी के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। वैज्ञानिक और शैक्षणिक समुदाय के सबसे चमकते सितारों में से एक, कस्तूरीरंगन जी अपने पीछे एक अद्वितीय विरासत छोड़ गए हैं। उनकी आत्मा को सद्गति मिले। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह शोक संतप्त परिवार को सांत्वना प्रदान करे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को 84 वर्ष की आयु में बेंगलूरु में निधन हो गया। वह करीब एक दशक तक अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख रहे। उनके पार्थिव शरीर को लोगों के अंतिम दर्शन के लिए रविवार को रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) में रखा गया। बाद में, पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मस्जिद में भाजपा विधायक की नारेबाजी के विरोध में लोगों का प्रदर्शन, पुलिस ने रुकवाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के विधायक बालमुकुंद आचार्य द्वारा मस्जिद के भीतर कथित तौर पर नारे लगाए जाने व पोस्टर चिपकाए जाने के विरोध में बड़ी संख्या में लोग शनिवार को जयपुर की जामा मस्जिद में इकट्ठा हुए। पुलिस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने जौहरी बाजार क्षेत्र में दुकानों को 'जबरन' बंद कराने की कोशिश की जिसके बाद उसने भीड़ को तितर-बितर कर दिया। पुलिस ने कहा कि शनिवार को शाम की नमाज के बाद कुछ लोग विरोध में सड़कों पर बैठ गए, भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया। जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा, बातचीत के बाद प्रदर्शनकारियों को घर भेज दिया गया। हालात और यातायात सामान्य है। पुलिस कार्रवाई कर रही है, लोगों को सड़क पर विरोध करने की जरूरत नहीं है। कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है।

पुलिस ने इलाके में विभिन्न स्थानों पर फ्लैग मार्च किया और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। दरअसल पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार रात भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य के कथित तौर पर मस्जिद पहुंचने के बाद तनाव बढ़ गया था। इस घटना का एक कथित वीडियो सामने आया जिसमें बड़ी संख्या में लोग मस्जिद के बाहर 'वंदे मातरम', 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' और 'जय राम' के नारे लगाते दिख रहे हैं।

बाद में रात में जामा मस्जिद कमेटी के सदस्य की शिकायत पर माणक चौक थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके अनुसार विधायक आचार्य और उनके समर्थक रात की नमाज के दौरान मस्जिद में घुसे, समुदाय विशेष को निशाना बनाते हुए नारे लगाए, मस्जिद की सीढ़ियों पर आपत्तिजनक पोस्टर चिपकाए और धमकी दी। वहीं आचार्य ने अपनी प्रतिक्रिया में 'एक्स' पर पोस्ट किया कि उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ दिन में एक विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था। आचार्य ने लिखा, पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए आतंकी हमले के विरोध में कल जयपुर की बड़ी चौपड़ पर सर्व हिन्दू समाज के आह्वान पर जन आक्रोश सभा में सम्मिलित होकर मारे गए बेगुनाह लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और जयपुर के बंधु भगिनी के साथ बैठकर पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद के तीखे नारों से इस घटना पर विरोध प्रकट किया।

बाद में एक वीडियो पोस्ट में उन्होंने कहा कि उनका किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था और इस समय सभी को पाकिस्तान के खिलाफ एकजुट होकर एकता और भाईचारे का संदेश देना चाहिए। उन्होंने कहा, कुछ लोगों ने अफवाह फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश की। लोगों को उनकी बातों से गुमराह नहीं होना चाहिए। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए भाजपा नेता ने कहा, अगर किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं खेद प्रकट करता हूं। जामा मस्जिद प्रबंधन कमेटी ने भी शनिवार को प्रेस वार्ता की और लोगों से विरोध प्रदर्शन न करने और शांति बनाए रखने की अपील की।

कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने संवाददाताओं से कहा, हम जयपुर में शांति के लिए सब कुछ कुर्बान करने को तैयार हैं। हम कल रात से ही प्रयास कर रहे हैं कि शांति बनी रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में हमने खुद 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाए। हमें इससे कोई दिक्कत नहीं है। हम पाकिस्तान या देश में किसी भी ऐसे व्यक्ति के खिलाफ हैं जो देश के साथ गद्दारी करता है। लेकिन, विधायक का कृत्य गलत था। कांग्रेस विधायक रफीक खान ने कहा कि कल रात की अशांति के बाद हालात नियंत्रण में हैं। उन्होंने कहा, लोग कितना भी प्रयास करें, हम माहौल खराब नहीं होने देंगे।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की देता है प्रेरणा : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 121वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अपने मुंबई प्रवास के दौरान मुंबई एयरपोर्ट पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। अपने संबोधन में मोदी ने जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमला आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था मगर देश के दुश्मनों को ये शांति और समृद्धि रास नहीं आई। मोदी ने विश्वास दिलाया कि पीड़ित परिवारों को न्याय मिलेगा तथा हमले के दोषियों और साजिशकर्ताओं को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन पर श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने आर्यभट्ट उपग्रह के प्रक्षेपण के 50 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए कहा कि अंतरिक्ष में भारत के सपनों की उड़ान एक समय केवल हौसलों से शुरू हुई थी मगर आज देश एक ग्लोबल स्पेस पॉवर बन चुका है। हमने एक साथ 104 सैटेलाइट लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया है तथा चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश बना है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में म्यांमार में भूकंप के बाद भारत द्वारा चलाए गए राहत अभियान और अफगानिस्तान के लिए वैक्सीन भेजे जाने की चर्चा की। उन्होंने कहा कि संकट के समय विश्वमित्र के रूप में भारत की पहचान बन रही है। ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने गर्मी के मौसम में देशवासियों को अधिक से अधिक तादाद में पौधे लगाने का आह्वान किया। उन्होंने मन की बात में अन्य कई विषयों पर भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस प्रेरणादायक कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने भारत की विकास यात्रा की उल्लेखनीय उपलब्धियों का चित्रण करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के शब्दों में गहरा प्रभाव है, जो हमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

पाकिस्तान से जैसलमेर आई दो दुल्हनें सरकार के आदेश से हुई मायूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। केन्द्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़कर स्वदेश जाने के आदेश के बाद पाकिस्तान में परवान चढ़ी जैसलमेर के दो युवकों की प्रेमकथा एवं बाद में निकाह भी अब आदेशों की भेंट चढ़ गया है। वर्ष 2023 में पाकिस्तान में हुए प्रेम विवाह के बाद हाल ही में दोनों पाकिस्तान की दुल्हनों सचुल एवं करमा खातून को गत 11 अप्रैल को जैसलमेर अपने ससुराल आने के बाद अब 13 दिन बाद ही उनको वापस पाकिस्तान मजबूरी में लौटना पड़ रहा है। इस आदेश के बाद दोनों दुल्हनों के सपने चकनाचूर हो गए हैं। दुल्हनों के हाथों में लगी मेहंदी का रंग अभी तक पूरा छूटा भी नहीं है कि उनको पीहर भेजने के आदेश आ गए हैं। इसके बाद घर में खुशियों की जगह उदासी का माहौल है। इधर, ये खबर सुनकर एक दुल्हन के पति की तबीयत बिगड़ गई। उसका जोधपुर में इलाज चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि जैसलमेर के देवीकोट के रहने वाले चचेरे भाई सालेह मोहम्मद और मुश्ताक अली जुलाई, 2023 में पाकिस्तान के सिंध प्रांत के घोटकी जिले में अपनी बुआ से मिलने गए थे। वहां उनको करम खातून (21) और सचुल (22) नामक युवतियों से प्यार हो गया। परिवारों की रजामंदी के बाद दोनों का निकाह अगस्त 2023 में करवा दिया गया। निकाह के बाद दोनों दुल्हनों को भारत का वीजा नहीं मिल सका। इस बीच दोनों दूल्हे अपनी दुल्हनों को छोड़कर सितंबर 2023 में भारत लौट आए और वीजा मिलने पर दुल्हनों के ससुराल आने का इंतजार करने लगे।

करीब डेढ़ साल के इंतजार के बाद दोनों दुल्हनों को आखिरकार अप्रैल 2025 में भारत सरकार ने वीजा जारी किया। दोनों 11 अप्रैल को जैसलमेर आईं और परिवार के साथ रहने लगी। 10 दिन बाद (22 अप्रैल) ही पहलगाम में आतंकी हमला हो गया। इसके बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने का आदेश जारी कर दिया।

दुल्हन के ससुर हाजी अब्दुल्ला ने बताया कि दोनों दुल्हनों के भारत आने के बाद उन्होंने दीर्घ अवधि वीजा का आवेदन कर दिया था, लेकिन सरकार का आदेश आने के बाद से पुलिस प्रशासन उन पर दवाब डाल रहा है कि वे इन दोनों को वापस पाकिस्तान भेजें।

कालबेलिया गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार

भीलवाड़ा/दक्षिण भारत। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के मांडल थाना क्षेत्र में पुलिस ने महिला से लूट और हत्या के मामले का खुलासा करते हुए कालबेलिया गिरोह के दो आदतन अपराधियों को चित्तौड़गढ़ जिले से गिरफ्तार कर लिया है। उप पुलिस अधीक्षक मेघा गोयल ने रविवार को बताया कि कुमावतों का खेड़ा में 27 दिन पूर्व घर में सो रही दिव्यांग रामू देवी के नाक से सोने की नथ छीन कर ले जाने के दौरान महिला के जाग जाने से लुटेरों ने उस पर वार कर दिया जिससे बाद में अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच के लिये गठित पुलिस दल ने गहन जांच पड़ताल और करीब 100 टीवी फुटेज खंगालने के बाद आरोपियों की शिनाख्त कर ली। इसके बाद पुलिस दल ने चित्तौड़गढ़ जिले के हरनी और निकुंभ क्षेत्रों में दबिश देकर शंकर कालबेलिया और सुरेश मोंगिया को गिरफ्तार किया। इन्होंने भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर और राजसमंद सहित कई जिलों में लूट की 10 वारदातें करना स्वीकारा है। इनके खिलाफ 23 मामले पहले ही दर्ज हैं।

पुलिस ने रुकवाये पांच अबोध बालिकाओं के विवाह

भीलवाड़ा/दक्षिण भारत। राजस्थान में भीलवाड़ा के कोतवाली थाना क्षेत्र के ओडो का खेड़ा गांव में पुलिस ने शनिवार को डेढ़ माह से 14 वर्ष की पांच मासूम नाबालिगों के बाल विवाह रुकवा दिये गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नवाचार संस्था को ओडों का खेड़ा में बाल विवाह की सूचना मिली। इस पर संस्थान ने पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद पुलिस के साथ ओडों का खेड़ा पहुंच कर जिन बालिकाओं के विवाह हो रहे थे उनके दस्तावेजों की जांच की गयी तो एक बालिका डेढ़, दूसरी 10, तीसरी 12, चौथी 13 और पांचवी 14 वर्ष की थीं। इस पर पुलिस ने इनका विवाह रुकवा दिया। साथ ही परिजनों को बाल विवाह नहीं करने के लिए पाबंद करवाया गया।

टक्कर के बाद ट्रकों में आग लगने से तीन की मौत

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में शनिवार को दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार दो लोगों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना रावतसर-सरदारशहर मेगा हाईवे पर रावतसर थाना क्षेत्र के धन्नासर गांव के पास हुई। रावतसर के थानाधिकारी रामचंद्र कस्वां ने बताया कि दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद तेज धमाका हुआ और दोनों वाहनों में आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग में तीन लोग जिंदा जल गए, जबकि दो अन्य के फंसे होने की आशंका है। शवों की अभी पहचान नहीं हो पाई है। अग्निशमन वाहनों और आसपास के ग्रामीणों ने निजी टैंकरों से आग बुझाने का प्रयास किया।

आईपीएल मैच के टिकटों की कालाबाजारी करने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान पुलिस ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सोमवार को होने वाले 'राजस्थान रॉयल्स' तथा 'गुजरात टाइटन्स' के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले के टिकटों की कालाबाजारी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के पास से कुल 56 टिकट और एक कार बरामद की गई है। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) तेजस्वनी गौतम ने बताया कि आईपीएल मैच के टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए सभी पुलिस थानों को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कांस्टेबल प्रदीप की सूचना पर 26 अप्रैल को पुलिस ने कोतवाली थाना क्षेत्र के चौड़ा रास्ता निवासी संदीप नाटानी (45) और ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र के कंवर नगर निवासी चंद्र प्रकाश (26) को गिरफ्तार किया। गौतम ने कहा, पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि वे 2,400 रुपये की टिकट चार हजार रुपये में और 3,200 रुपये की टिकट पांच हजार रुपये में बेच रहे थे। पुलिस ने बताया कि धोखाधड़ी और मुद्रित दरों से अधिक कीमत पर टिकट बेचने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

कानून व्यवस्था के साथ सौहार्द और सद्भाव बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास हों सुनिश्चित : सोनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जयपुर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ जिले में सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी सदभाव कायम बनाये रखने के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। जिला कलक्टर ने रविवार को जिले की कानून व्यवस्था को लेकर वीसी के माध्यम से अधिकारियों की बैठक ली जिसमें उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक स्तर पर संवाद कायम रखते हुए कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले तत्वों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी उपखण्ड अधिकारियों से कानून व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने उपखण्ड अधिकारियों एवं पुलिस उपाधीक्षकों को प्रत्येक स्तर पर क्षेत्र के मौजीज लोगों, धर्म गुरूओं के साथ संवाद कायम करने, सभी पुलिस थानों को नियमित सीएलजी और शान्ति समितियों की बैठक लेकर संदिग्ध व्यक्तियों, स्थानों, भ्रामक और साम्प्रदायिक तनाव भड़काने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई करने, सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने के साथ-साथ सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग करने के लिए भी निर्देशित किया।

जिला कलक्टर ने जिले में कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को मुस्तैदी से कार्य करने, नाकेबंदी और पुलिस गश्त को और अधिक सशक्त बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने महत्वपूर्ण स्थानों, मुख्य बाजार, पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों, बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन एवं संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले अन्य स्थानों पर सतत निगरानी रखने एवं पर्याप्त पुलिस जाप्ता नियोजित करने के साथ-साथ संभावित तनावपूर्ण स्थानों को चिन्हित कर अतिरिक्त जाप्ता लगाने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में बैठक के बाद जिले के सभी उपखंड अधिकारियों, पुलिस उप अधीक्षकों, तहसीलदार, नायब तहसीलदार ने पुलिस थानों में सीएलजी शांति समिति की बैठक ली क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं सौहार्द बनाने एवं बनाये रखने के लिए मौजिज लोगों एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों सहित आमजन से संवाद किया।

राजस्थान में खुलेंगें 5000 अन्नपूर्णा भंडार

जयपुर। प्रदेशभर में अन्नपूर्णा भण्डार के सफल क्रियान्वयन हेतु विस्तृत दिशा निर्देशों के सर्न्दभ मे सुझाव आमंत्रित किये जाने हेतु प्रबन्ध निदेशक राजस्थान राज्य खाद्य एवं आपूर्ति निगम लि. राजेंद्र वर्मा की अध्यक्षता मे सोमवार को दोपहर 3 बजे निगम मुख्यालय सभागार, चतुर्थ तल, किसान भवन लाल कोठी, जयपुर में बैठक आयोजित की जाएगी।

प्रदेश में हर हाल में कायम रहे कानून व्यवस्था : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राजस्थान एक शान्तिप्रिय प्रदेश है, पहलगाम में हुआ आतंकी हमला देश में साम्प्रदायिक शान्ति और सौहार्द के माहौल को बिगाड़ने की साजिश है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश में हर हाल में कानून व्यवस्था बनी रहें। इसके लिए संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलक्टर्स और पुलिस अधीक्षक अपने संभाग, रेंज एवं जिलों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने सभी जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को प्रतिदिन जिला पुलिस कन्ट्रोल रूम से घटनाओं एवं सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव शासन सचिवालय में प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने सभी जिलों की कानून एवं शान्ति व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुई आतंकी घटना किसी भी रूप में साम्प्रदायिक तनाव का रूप न लें, इसके लिए सभी अधिकारी संवेदनशीलता से कार्य करें। उन्होंने सभी पुलिस थानों को नियमित सीएलजी और शान्ति समितियों की बैठक लेकर संदिग्ध व्यक्तियों, स्थानों, भ्रामक और साम्प्रदायिक तनाव भड़काने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समस्त जिला मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधीक्षक अविलंब जिले के समस्त उपखण्ड मजिस्ट्रेट, वृताधिकारी पुलिस, तहसीलदारों, थानाधिकारियों की वीसी के माध्यम से बैठक कर विशेष सतर्कता एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने बाबत आवश्यक निर्देश प्रदान करें तथा सभी अधिकारियों को विशेष अलर्ट पर रखें। उन्होंने निर्देश दिये कि पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा के सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों की समय सीमा में पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा सशस्त्र बलों के मूवमेन्ट व सुरक्षा बलों के ऑपरेशन्स की लाईव कवरेज न करने के सम्बन्ध में जारी मीडिया एडवाईजरी की पालना की जाये।

बैठक में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनन्द कुमार ने कहा कि प्रदेश में शान्ति व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैदी से कार्य करें। उन्होंने सीमावर्ती जिलों में नाकाबंदी और पुलिस गश्त को और अधिक सशक्त बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण स्थानों, मुख्य बाजार, पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों, हवाई-अड्डों, बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन एवं संवेदनशील/भीड़भाड़ वाले अन्य स्थानों पर सतत निगरानी रखी जाये तथा पर्याप्त पुलिस जाप्ता नियोजित किया जाये।

दीया कुमारी ने सुना मोदी के मन की बात कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रविवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 121वें संस्करण को सुना। दीयाकुमारी सहित विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री ने अपने प्रेरणादाई मार्गदर्शन से समस्त देशवासियों को राष्ट्र निर्माण में भागीदारी की भावना को मजबूत करते हुए सक्रिय योगदान के लिए प्रेरित किया।

आगामी दिनों में तापमान में हो सकती है वृद्धि

जयपुर। राजस्थान में आगामी दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 44-46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि जोधपुर संभाग में आज से ही लू चल सकती है तथा 28-29 अप्रैल को पश्चिमी राजस्थान में लू चलने तथा रातें गर्म रहने की संभावना है। इसके अलावा, 29-30 अप्रैल को पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर भीषण गर्मी झेलनी पड़ सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार मई के प्रथम सप्ताह में आंधी, तूफान व बारिश की गतिविधियों के कारण तापमान में गिरावट आने की प्रबल संभावना है। इसके अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर आंधी व हल्की बारिश हुई तथा श्रीगंगानगर जिले में धूल भरी आंधी चली। वनस्थली (टोंक) और डीडवाना (नागौर) में सबसे अधिक 1.0 मिलीमीटर बारिश हुई। राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 43.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक है। विभाग के अनुसार रविवार को राज्य में सबसे अधिक न्यूनतम तापमान बाड़मेर में ही 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हिमंत ने 'कांग्रेस सांसद' से पाकिस्तान जाने और पत्नी की नौकरी को लेकर सवाल पूछे, गोगोई का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बीच रविवार को सोशल मीडिया पर विपक्षी नेता के पाकिस्तान के साथ कथित संबंधों को लेकर तीखी नोकझोंक हुई और दोनों राजनीतिक नेताओं ने एक-दूसरे के परिवारों को भी इस विवाद में घसीट लिया। सबसे पहले शर्मा ने 'एक्स' पर गोगोई से तीन प्रश्न पूछकर हमला बोला जिसका उसी मंच पर सांसद ने भी उतनी ही संख्या में प्रश्न पूछकर जवाब दिया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने पहले पोस्ट में किसी का नाम लिए बगैर कांग्रेस के 'एक सांसद' से पूछा कि क्या वह लगातार 15 दिन तक पाकिस्तान में रहे हैं और क्या उनकी पत्नी को पड़ोसी देश के एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) से वेतन मिलता है। शर्मा ने 'एक्स' पर कई प्रश्न पोस्ट करते हुए सांसद की पत्नी और उनके बच्चों की नागरिकता की स्थिति पर भी सवाल उठाया। हालांकि उन्होंने कांग्रेस नेता का नाम नहीं लिया। उन्होंने पूछा, ''कांग्रेस पार्टी के माननीय सांसद के लिए प्रश्न: 1. क्या आप लगातार 15 दिन तक पाकिस्तान में रहे? अगर हां, तो क्या आप कृपया अपनी यात्रा का उद्देश्य स्पष्ट कर सकते हैं?''

मुख्यमंत्री ने यह भी सवाल किया कि क्या यह सच है कि सांसद की पत्नी ''भारत में रहकर काम करते हुए भी पाकिस्तान स्थित एक एनजीओ से वेतन प्राप्त कर रही हैं।'' शर्मा ने सवाल किया, ''यदि ऐसा है, तो क्या हम पूछ सकते हैं कि पाकिस्तान स्थित एक संगठन भारत में की जाने वाली गतिविधियों के लिए वेतन क्यों दे रहा है?'' उन्होंने सांसद की पत्नी और दो बच्चों की नागरिकता की स्थिति के बारे में भी पूछा। शर्मा ने कहा, ''क्या वे भारतीय नागरिक हैं या उनके पास किसी अन्य देश की नागरिकता है? इसके बाद कई और सवाल पूछे जाएंगे।'' शर्मा की पोस्ट को साझा करते हुए गोगोई ने अपनी ओर से तीन सवालों के साथ आरोपों का जवाब दिया। कांग्रेस सांसद ने पूछा, ''असम के माननीय मुख्यमंत्री से सवाल: 1) अगर आप मेरे और मेरी पत्नी के खिलाफ दुश्मन देश के एजेंट होने के आरोपों को साबित करने में विफल रहते हैं तो क्या आप इस्तीफा दे देंगे? 2) क्या आप अपने बच्चों और पत्नी पर सवाल उठाएंगे?'' उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या राज्य पुलिस उन लोगों को गिरफ्तार करेगी जो कोयला माफिया से जुड़े हैं जो असम की पहाड़ियों को तबाह कर रहे हैं और करोड़ों रुपए का अघोषित धन कमा रहे हैं।'' गोगोई ने अपने पोस्ट में कहा, ''एसआईटी रिपोर्ट के सौंपे जाने का इंतजार है।'' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किस जांच रिपोर्ट की बात कर रहे थे। राज्य सरकार ने फरवरी में पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के भारत के आंतरिक मामलों में कथित हस्तक्षेप की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था,

ऐसा सबक सिखाएंगे कि पाकिस्तान फिर कभी ऐसी घृणित हरकत करने की सोच भी नहीं सकेगा : पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि पड़ोसी देश को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वह फिर कभी ऐसी घृणित हरकत करने की सोच भी नहीं सकेगा।

पुरी ने कहा कि पाकिस्तान ''पतन'' की ओर अग्रसर एक ऐसा देश है जो आतंकवाद का सरकार की नीति के साधन के रूप में समय-समय पर इस्तेमाल करता रहता है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने मोहाली में एक कार्यक्रम में कहा, ''मुझे लगता है कि इस बार उन्होंने गलत अनुमान लगाया है। उन्होंने गलत नंबर डायल कर दिया क्योंकि हमारा नेतृत्व प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बिहार में बयान दिया था - 'बहुत हो गया और अब उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे'।'' भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंध पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद और भी बिगड़ गए हैं। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। नई दिल्ली में केंद्र सरकार ने पहलगाम हमले के तार सीमा पार से जुड़े होने के मद्देनजर पाकिस्तानी सैन्य सलाहकार (अताशे) को निष्कासित करने, 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित करने और अटारी-वाघा

सीमा-चौकी को तत्काल बंद करने समेत कई कदमों की घोषणा की थी।

पुरी ने सिंधु जल संधि के निलंबन पर कहा कि भारत ने पहली बार ऐसा कदम उठाया है जिससे पाकिस्तान को ''करारी चोट पड़ी'' है। पूर्व राजनयिक पुरी ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मुझे उन विकल्पों पर अटकलें लगानी चाहिए जिनका उपयोग किया जाएगा, लेकिन मुझे लगता है कि देश (पाकिस्तान) पतन की स्थिति में पहुंच चुका है...पश्चिमी पड़ोसी को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वह फिर कभी इस तरह का घृणित कृत्य करने के बारे में सोच न सके।'' पुरी ने एक निजी विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान 'एक राष्ट्र, एक चुनाव: भारत के चुनावी परिदृश्य को नया आकार' विषय पर एक संगोष्ठी में यह टिप्पणी की। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ''हम 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। यदि आप अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष पर विश्वास करते हैं तो हम कुछ ही महीनों की अवधि में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे और 2027 या 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। आर्थिक विकास के लिए क्या आवश्यक है? इसके लिए एक अनुकूल वातावरण की आवश्यकता है। कुछ राज्य अधिक सफल क्यों हैं क्योंकि वहां कानून- व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में है और वे उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए एक अनुकूल वातावरण मुहैया कराते हैं।''

पहलगाम हमले के बाद भारत-पाक 'अस्थिरता' में चीन के शामिल होने की संभावना नहीं : पूर्व सैन्य कमांडर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। भारतीय सेना के एक पूर्व कमांडर ने कहा है कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य और शुल्क (टैरिफ) संबंधी ''जटिलताओं'' के कारण, पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच ''अस्थिरता'' में चीन के सीधे तौर पर शामिल होने की संभावना नहीं है।

हालांकि, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पाकिस्तान के साथ चीन की मित्रता जगजाहिर है।

पूर्वी कमान के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राणा प्रताप कलिता ने कहा, गलवान 2020 की घटना के बाद, दोनों देशों के बीच काफी विचार-विमर्श हुआ और टकराव के अंतिम बिंदु पर गतिरोध को हल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि संघर्ष के अंतिम क्षेत्रों में समाधान के बाद 'सामान्यीकरण की प्रक्रिया' शुरू हो गई है और द्विपक्षीय तंत्र में तेजी आई है, जिसमें सीधी उड़ानें शुरू करने और कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने के लिए वार्ता शामिल है। कलिता ने यह भी कहा कि दोनों देशों को अमेरिका द्वारा लगाए गए बढ़े हुए व्यापार शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, जिसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन विनिर्माण देश होने के साथ-साथ प्रमुख उपभोग बाजार भी हैं, इसलिए इनमें शुल्क में बदलाव का प्रभाव अधिक महसूस किया जाएगा। पूर्व सैन्य कमांडर ने कहा, इन जटिलताओं और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को देखते हुए, पहलगाम घटना से पैदा हुई अस्थिरता के प्रति चीन की कोई प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया होगी या नहीं, इसका अनुमान लगाना फिलहाल मुश्किल है। लेकिन फिलहाल मुझे नहीं लगता कि वे सीधे तौर पर इसमें शामिल होंगे। कलिता ने कहा, ''पाकिस्तान के साथ समुद्री संपर्क की संवेदनशीलता जगजाहिर है। चीन के लिए पाकिस्तान के ज़रिए अरब सागर तक पहुंच का महत्व भी जगजाहिर है।''

कांग्रेस अब भी आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षण दे रही: अय्यर पर भाजपा का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को पहलगाम त्रासदी पर वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर तीखा पलटवार किया और उस पर 'आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र' को बचाने और 'पाकिस्तान के प्रति प्रेम' दिखाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने शनिवार को यहां एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान आश्चर्य जताते हुए कहा था कि क्या 22 अप्रैल को बैसरन के हरे-भरे पर्यटक स्थल पर हुआ आतंकवादी हमला 'विभाजन के अनसुलझे सवालों' का नतीजा था।

भाजपा ने इसे कांग्रेस नेताओं और उनके परिजनों द्वारा की गई निंदनीय और अपमानजनक टिप्पणियों की शृंखला में नवीनतम माना। भाजपा की तीखी टिप्पणियों पर कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं

आई। अय्यर की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कांग्रेस का तुष्टीकरण पहलगाम आतंकी हमले पर भी जारी है! रॉबर्ट वाड्रा और सिद्धरमैया के बाद अब मणिशंकर अय्यर पाकिस्तान और आतंकवादियों को दोष देने से इनकार कर रहे हैं!'' उन्होंने कहा, ''26/11 के हमले के बाद से कांग्रेस में कुछ भी नहीं बदला है, वह अब भी आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा कर रही है, अब भी पाकिस्तान के प्रति प्रेम दिखा रही है।''

पाकिस्तान को सबक सिखाने और पीओके वापस लेने का समय आ गया है : अभिषेक

कोलकाता/भाषा। पहलगाम आतंकवादी हमले के कुछ दिन बाद तृणमूल कांग्रेस के नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी ने रविवार को कहा कि अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को सबक सिखाया जाए और पड़ोसी देश द्वारा कब्जाए गए कश्मीर के हिस्से को वापस लिया जाए। बनर्जी ने यह भी कहा कि यह ''केवल सर्जिकल स्ट्राइक या पाकिस्तान को धमकियां देने का समय नहीं है।''

तृणमूल सांसद ने 'एक्स' पर लिखा, ''अब समय आ गया है कि उन्हें (पाकिस्तान) उनकी भाषा में सबक सिखाया जाए। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लिया जाए।'' उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि ''राजनीति से ऊपर उठकर इस मुद्दे का निर्णायक ढंग से सामना किया जाए।'' पिछले कुछ दिन से मुख्यधारा के मीडिया और केंद्र सरकार के शीर्ष पर बैठे लोगों के आचरण पर करीबी नजर रखने का दावा करते हुए बनर्जी ने कहा, ''पहलगाम में इस अभूतपूर्व आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार चूक की गहराई से जांच करने के बजाय वे एक ऐसे विमर्श को आगे बढ़ाने पर अधिक ध्यान केंद्रित करते दिखते हैं, जिससे एक विशेष राजनीतिक दल को लाभ पहुंचे।'' मंगलवार को पहलगाम में हुए हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

पहलगाम हमला सरकार की विफलता का नतीजा : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए रविवार को खुफिया विफलता को जिम्मेदार ठहराया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान की बजाय प्रोपेगेंडा को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने आतंकवादी हमले के प्रत्येक पीड़ित के परिवार को 10 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता और एक सरकारी नौकरी देने की मांग की। उन्होंने कहा, यह (पहलगाम हमला) सरकार की विफलता है। यह खुफिया विफलता का नतीजा है। वहां उचित सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी और सेना वहां नहीं पहुंच सकी। अब लोग पहलगाम के साथ पुलवामा की भी बात कर रहे हैं। इस मुद्दे पर हुई सर्वदलीय बैठक के बारे में उन्होंने कहा, पार्टी ने बैठक में जो कहना था, कह दिया है। मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। आप मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) से पूछ सकते हैं कि वे इस मामले पर बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। यादव ने सपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमारे मुद्दे आज भी बेरोजगारी के हैं- नौकरियां घट रही हैं, नौकरियों के अवसर खत्म हो रहे हैं, योग्यता के अनुसार काम नहीं मिल रहा है और सरकार सम्मानजनक रोजगार नहीं दे पा रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिनके पास डिग्रियां हैं, उन्हें इस सरकार ने 'डिलीवरी ब्वाय' बना दिया है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार के लोग मिलकर संवैधानिक अधिकार नहीं दे रहे हैं, आरक्षण के साथ खिलवाड़ हो रहा है तथा नौकरी न देने का मकसद सीधा-सीधा आरक्षण न देना है। उन्होंने दावा किया, शिक्षा में राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ गया है। यादव ने कहा कि युवतियों के लिए सबसे ज्यादा असुरक्षित माहौल उत्तर प्रदेश में है और यह सरकार के आंकड़े ही बता रहे हैं। जिस तरह शिक्षा का निजीकरण हुआ है, उसको लेकर पार्टी और यूथ ब्रिगेड के लोग जनता को समझाएंगे। यादव ने सरकार पर पक्षपात करने का आरोप लगाया और कहा कि अगर समाजवादी पार्टी का व्यक्ति सोशल मीडिया पर कुछ लिख दे तो पुलिस प्रशासन उसके पीछे पड़ जाता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी की युवा शाखा समाजवादी युवजन सभा के कार्यकर्ताओं की बैठक के बारे में कहा कि पार्टी ने पीडीए संकल्प तैयार किया है जिसे गांवों में बांटा जाएगा।

असम, त्रिपुरा और मेघालय के कुछ हिस्से भारत में अवैध घुसपैठ का जरिया बने: प्रद्योत देबबर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) के प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने रविवार को दावा किया कि असम, त्रिपुरा और मेघालय के कुछ हिस्से पूर्वोत्तर और शेष भारत में अवैध घुसपैठ का प्रमुख जरिया बन गए हैं। यह बयान अगरतला रेलवे स्टेशन पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद आया है।

देबबर्मा ने 'एक्स' पर लिखा, ''हर दिन अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ कर रहे हैं। पांच लोग पकड़े जाते हैं, तो 1,000 लोग इलाके और छिद्रपूर्ण सीमा के कारण बच निकलते हैं। त्रिपुरा एक बार फिर जनसांख्यिकीय परिवर्तन से गुजर रहा है। असम, त्रिपुरा और मेघालय के कुछ हिस्से पूर्वोत्तर और शेष भारत में अवैध घुसपैठ के लिए पारगमन बिंदु बन गए हैं।''

बांग्लादेश के साथ लगती 856 किलोमीटर की अंतरराष्ट्रीय सीमा में से त्रिपुरा में अब तक 90 प्रतिशत से अधिक सीमा पर बाड़ लगाई जा चुकी है। प्रतिकूल भौगोलिक परिस्थितियों सहित विभिन्न कारणों से शेष हिस्से पर बाड़ नहीं लगाई जा सकी है।

देबबर्मा ने दावा किया, ''मूल निवासी जनजातियां यहां भूमि अधिकार की मांग कर रही हैं, क्योंकि हम जानते हैं कि जल्द ही हम अवैध प्रवासियों से त्रस्त हो जाएंगे।''

बुमराह के चार विकेट, रिकलटन और सूर्यकुमार के अर्द्धशतक, मुंबई इंडियंस की लगातार पांचवीं जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई इंडियंस विकेटकीपर बल्लेबाज रेयान रिकलटन (58 रन) और सूर्यकुमार यादव (54 रन) के अर्धशतकों के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (22 रन देकर चार विकेट) की अगुआई में शानदार गेंदबाजी से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 54 रन से हराकर लगातार पांचवीं जीत से तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

आईपीएल में हमेशा की तरह धीमी शुरूआत के बाद लय पकड़ने वाली मुंबई इंडियंस 10 मैच में 12 अंक लेकर गुजरात टाइटन्स (आठ मैच में 12 अंक) से नीचे बनी हुई है। एलएसजी 10 अंक से छठे स्थान पर है। सूर्यकुमार 28 गेंदों में चार छक्के और इतने ही चौके जड़ लगातार रन बटोरते हुए इस आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने अपने तीसरे अर्धशतक के साथ 400 रन का आंकड़ा पार किया। भारत के टी20 कप्तान ने आईपीएल में 4,000 रन भी पूरे किए।

रिकलटन ने भी 25 गेंद में आईपीएल में अपना दूसरा अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 32 गेंद की पारी के दौरान छह चौके और चार छक्के जमाए। रिकलटन ने विल जैक्स (29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 55 रन की भागीदारी निभाई जिससे मुंबई ने इंडियंस ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सात विकेट पर 215 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में एलएसजी की टीम बुमराह (22 रन देकर चार विकेट), ट्रेंट बोल्ट(20 रन देकर तीन विकेट) और विल जैक्स (दो ओवर में 18 रन देकर दो विकेट) के झटकों से 20 ओवर में 161 रन पर आउट हो गई। मुंबई इंडियंस ने लीग मैच में पहली दफा एलएसजी को हराया है।

एलएसजी ने पावरप्ले में ऐडन मारक्रम (09) का विकेट गंवाकर 60 रन बना लिए थे जिन्हें बुमराह ने अपना पहला शिकार बनाया। लेकिन अगले ही ओवर में जैक्स ने कमाल कर दिया। उन्होंने अपने पहले ही ओवर की पहली गेंद पर फॉर्म में चल रहे निकोलस पूरन (27 रन) को लांग ऑफ पर सूर्यकुमार के हाथों कैच आउट कराया।

एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत (04) ने अगली गेंद पर चौका लगाया लेकिन जैक्स की तीसरी गेंद को रिवर्स स्वीप किया और शॉर्ट थर्ड मैन पर कर्ण शर्मा ने उनका कैच लपकने में कोई कोताही नहीं बरती। उसके लिए मिचेल मार्श ने 34 रन, आयुष बदोनी ने 35 रन और डेविड मिलर ने 24 रन बनाए लेकिन मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों के सामने कोई मजबूत साझेदारी नहीं बनने के कारण टीम लक्ष्य से काफी दूर रह गई।

प्रशांत किशोर नीतीश के पैतृक गांव से बिहार सरकार के खिलाफ अभियान शुरू करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने रविवार को घोषणा की कि बिहार में नीतीश कुमार सरकार के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान अगले महीने मुख्यमंत्री के पैतृक गांव से शुरू किया जाएगा।

प्रशांत किशोर ने यह घोषणा नालंदा जिले के हरनौत विधानसभा क्षेत्र में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की। इस विधानसभा क्षेत्र से जनता दल (यूनाइटेड) अध्यक्ष नीतीश कुमार ने 1980 के दशक में अपना राजनीतिक करियर शुरू किया था।

किशोर ने कहा, ''हम अक्सर सुनते हैं कि भले ही नीतीश कुमार ने राज्य के लिए बहुत कुछ नहीं किया हो, लेकिन उन्होंने अपने गृह जिले में विकास किया है। इस मिथक को तोड़ने के लिए हमने 11 मई को कल्याण बिगहा से अपना हस्ताक्षर अभियान शुरू करने का फैसला किया है।'' चुनाव रणनीतिकार रहे किशोर ने कहा, ''सभी को पता होना चाहिए कि कुमार के अपने गांव में क्या स्थिति है। हम गरीब परिवारों को दो लाख रुपए की वित्तीय सहायता जैसे वादों को पूरा करने में उनकी सरकार की विफलता को उजागर करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री ने विधानसभा को बताया है कि राज्य भर में 94 लाख परिवार हैं जो इस तरह की मदद के पात्र हैं। लेकिन, ऐसा लगता है कि यह वादा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर बैंक खाताधारक को 15 लाख रुपए देने की बात की तरह ही एक और नौटंकी है।''

किशोर ने कहा कि राज्य सरकार की अन्य कथित विफलताओं को उनकी पार्टी उजागर करेगी, जिसमें ''कृषि करने वाले दलितों को दो डिसमिल भूमि'' देने का वादा और ''भूमि सर्वेक्षण में भारी भ्रष्टाचार'' शामिल है।

इंग्लैंड टेस्ट श्रृंखला के दौरान बुमराह का कार्यभार प्रबंधित करने की जरूरत : शास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने जसप्रीत बुमराह को इंग्लैंड में लगातार पांच टेस्ट मैचों में मैदान पर उतारने के खिलाफ सतर्क करते हुए कहा कि इस शीर्ष तेज गेंदबाज को दो मैच के बाद ब्रेक दिया जाना चाहिए और पूरे आराम के लिए मैच चुनने की आजादी दी जानी चाहिए।

भारत 20 जून को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली श्रृंखला में इंग्लैंड से भिड़ेगा जो नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2025-27) चक्र की शुरुआत होगी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी पीठ की चोट के कारण बुमराह चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर रहे। स्टार गेंदबाज ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान मुंबई इंडियंस के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) समीक्षा के ताजा अंक में शास्त्री ने कहा, ''मैं (बुमराह के साथ) बहुत सतर्क रहूंगा। मैं उसे एक बार में दो टेस्ट मैच दूंगा और फिर ब्रेक का इंतजार करूंगा। ''

क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इस खिलाड़ी ने कहा, ''आदर्श रूप से उसे चार (टेस्ट) खेलने दें। अगर वह शानदार शुरुआत करता है तो आप उसे पांच मैच खिलाने के लिए ललचाओगे। लेकिन यह उसके शरीर पर निर्भर करता है। '' इस महान क्रिकेटर ने कहा कि बुमराह को यह तय करने की

छूट दी जानी चाहिए कि वह कौन सा मैच छोड़ना चाहता है। उन्होंने कहा, ''उसे यह कहने का पहला अवसर दिया जाना चाहिए कि 'हां, मुझे थोड़ी परेशानी हो रही है। एक ब्रेक से मदद मिलेगी'। उसे वह ब्रेक दें। '' उन्होंने कहा कि बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज की पूरी तरह से फिट भारतीय तेज गेंदबाज तिकड़ी निश्चित रूप से इंग्लैंड को परेशान करेगी।

शमी की अनुपलब्धता, पांचवें टेस्ट में बुमराह का चोटिल होना और सिराज की खराब फॉर्म के कारण भारत बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला 1-3 से हार गया।

सिराज ने तब से गुजरात टाइटन्स के लिए आईपीएल में शानदार वापसी की है।

शास्त्री ने कहा, ''मुझे लगता है कि सिराज, जसप्रीत और शमी, ये तीनों अगर पूरी तरह से फिट हैं तो वे इंग्लैंड के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। '' उन्होंने कहा, ''जब आप इन तीनों को फिट कर लेते हैं तो यह एक बेहतरीन, शीर्ष स्तर का तेज गेंदबाजी आक्रमण होता है। और सिराज एक अलग ही जोश से भरा हुआ है, उसकी गति बहुत अच्छी है और वह हर मैच में अच्छा खेल रहा है। और इंग्लैंड के आने से पहले भारत के दृष्टिकोण से यह एकदम सही है। '' शमी भी 2023 क्रिकेट विश्व कप के दौरान घुटने की चोट के कारण बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला और चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेलने के बाद लय में हैं।

शास्त्री ने कहा, ''वह मेहनती खिलाड़ी है। मैं शमी को लंबे समय से जानता हूं। अगर वह मन लगाकर काम करे तो वह वहां पहुंच सकता है। और सच यह है कि सिराज और जसप्रीत भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उसे आगे बढ़ने और उस स्तर तक पहुंचने के लिए इसी प्रेरणा की जरूरत है। ''

सुविचार

तीन चीजें उम्र के साथ और अधिक कीमती हो जाती हैं जलाने के लिए पुरानी लकड़ी, पढने के लिए पुरानी किताबें और आनंद लेने के लिए पुराने दोस्त।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जोश के साथ होश जरूरी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद देशवासियों की भावनाओं में भारी उबाल आ गया है। कई लोग मांग कर रहे हैं कि पाकिस्तान से तुरंत युद्ध छेड़ दिया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिन शब्दों में आश्वासन दिया, उनसे स्पष्ट होता है कि जो भी कार्रवाई होगी, बड़ी सख्त होगी। जनता को इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि दुश्मन को मात देने के लिए जोश और होश, दोनों की जरूरत होती है। पाकिस्तान को कब, कहां और किस स्तर की सज़ा देनी चाहिए, यह हमारी सेनाएं भलीभांति जानती हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि युद्ध में असल बलवान वह होता है, जो बुद्धिमान होता है। अगर निकट भविष्य में भारत की सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान के कुछ आतंकवादी या फौजी मारे जाते हैं तो यह एक सख्त पैगाम होगा। हालांकि पाक इतने भर से सुधरने वाला नहीं है। उसके मदरसों और शिविरों में बड़ी तादाद में कट्टरपंथी और आतंकवादी भरे पड़े हैं। इस चुनौती का सामना करने और निर्णायक विजय पाने के लिए हमें बहुत सोच-समझकर रणनीति बनानी होगी। आज पाकिस्तान एक बदहाल मुल्क है। वह हर दो-चार महीने बाद दिवालिया होने के कगार पर पहुंच जाता है। उसके पास खोने के लिए कुछ खास नहीं है। पाकिस्तान जैसे देश को नकेल डालने की जल्दबाजी में हमें ऐसे किसी भी कदम से बचना चाहिए, जो हमारे राष्ट्रीय विकास को नुकसान पहुंचाए। इसका यह मतलब नहीं है कि हमें सख्त कार्रवाई नहीं करनी चाहिए। जरूरत इस बात की है कि हम उससे और आगे सोचें। एक बार कार्रवाई होने के बाद पहलगाम की घटना को भूलना नहीं चाहिए।

यहां स्वतंत्र टिप्पणीकार डॉ. कनिका वर्मा के विचार अत्यंत प्रासंगिक हैं, जिनका कहना है कि भारत को बुद्धिमानी से वार करना होगा। चीन पाकिस्तान को अपने मोहरे की तरह इस्तेमाल कर रहा है, ताकि वह भारत को किसी बड़े युद्ध में उलझा दे। चीन चाहता है कि भारत आर्थिक उन्नति न करे, कमजोर रहे। उसकी मंशा है कि भारत का ध्यान विकास से हटे और वह युद्ध में फंसे। ऐसा होने पर हम एक ऐतिहासिक अवसर गंवा सकते हैं। तो बड़ा सवाल है- हमें क्या करना चाहिए? जवाब है- राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने से इन्कार नहीं किया जा सकता। पाक/पीओके में सीमित इलाकों में सैन्य कार्रवाई के विकल्प हमेशा खुले रखने चाहिएं। इसके साथ ही, पाकिस्तान को सिंधु जल संधि के तहत मिलने वाले पानी पर पूरी तरह रोक लगाने पर गंभीरता से काम करना होगा। अगर उसमें सफलता मिल गई तो पाकिस्तान कुछ ही महीनों में घुटनों पर आ जाएगा। भारत को बलोचिस्तान के स्वतंत्रता आंदोलन को खुलकर समर्थन देना होगा। हाल में पाकिस्तानी फौज पर सबसे ज्यादा घातक हमले बलोचों ने किए थे। भारत सरकार को बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होगी, अन्यथा ये हमारे लिए भविष्य में बहुत बड़ा सिरदर्द बन सकते हैं। घुसपैठियों की पहचान करने, उन्हें गिरफ्तार करने, हतोत्साहित करने जैसी कार्रवाइयों के लिए दर्जनों असरदार तरीके हैं। उनके लिए कोई बहुत बड़ी कानूनी कवायद करने की जरूरत नहीं है। देशविरोधी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए खुफिया तंत्र को मजबूत बनाया जाए। जो लोग किसी भी रूप में इनमें लिप्त पाए जाएं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। देश में कारोबारी गतिविधियों में तेजी लाई जाए। नौजवानों को ऐसी शिक्षा दी जाए, जो उन्हें रोजगार हासिल करने में मदद करे। कारोबार करना इतना आसान कर दिया जाए कि कंपनियां चीन के बजाय भारत को प्राथमिकता दें। समृद्ध और सशक्त भारत अपने दुश्मनों का समूल नाश करने में ज्यादा सक्षम होगा। इसके लिए सरकार को बेहतर नीतियां बनानी होंगी। जनता को भी एकजुट होकर प्रयास करने होंगे।

ट्वीटर टॉक

पूरा विश्व आतंकवाद के ख़िलाफ़ हमारी लड़ाई में, 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है। मैं पीड़ित परिवारों को फिर भरोसा देता हूँ कि उन्हें न्याय मिलेगा, न्याय मिलकर रहेगा। इस हमले के दोषियों और साज़िश रचने वालों को कठोरतम जवाब दिया जाएगा।

-नरेन्द्र मोदी

हमें देश के सामने आई इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है। हमें एक राष्ट्र के रूप में दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना है। आज दुनिया देख रही है, इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

'एक पेड़ माँ के नाम' ये अभियान उस माँ के नाम है, जिसने हमें जन्म दिया और ये उस धरती माँ के लिए भी है, जो हमें अपनी गोद में धारण किए रहती है। इस अभियान का हिस्सा बनें, ताकि एक साल पूरा होने पर अपनी भागीदारी पर आप गर्व कर सकें।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

बांस की सीख

एक संत अपने शिष्य के साथ जंगल में जा रहे थे। अचानक शिष्य का पैर फिसल गया और वह तेज़ी से नीचे की ओर लुढ़कने लगा। तभी उसने बांस के पौधे को मजबूती से पकड़ लिया और खाई में गिरने से बच गया। बांस धनुष की तरह झुक तो गया, लेकिन न तो वह उखड़ा और न ही टूटा। कुछ देर बाद संत वहां पहुंचे और शिष्य को खींचकर ऊपर ले आए। राह में संत ने शिष्य से कहा, 'जान बचाने वाले बांस ने तुमसे कुछ कहा, तुमने सुना क्या?' शिष्य ने जवाब दिया, 'नहीं गुरुजी, मुझे तो पेड़-पौधों की भाषा नहीं आती।' गुरु मुस्कुराए और बोले, 'बांस ने तुम्हारे लिए बहुत महत्वपूर्ण संदेश दिया है।' गुरु ने फिर रास्ते में खड़े एक बांस के पौधे को खींचकर छोड़ दिया। बांस लचककर अपनी जगह पर वापस लौट आया। गुरु ने कहा, 'हमेशा याद रखना, बांस की तरह हमें भी लचीला होना चाहिए। जब भी जीवन में कठिनाइयाँ आएं, तो थोड़ा झुककर विनम्र बन जाएं, लेकिन टूटें नहीं। बांस की तरह हमें अपनी जड़ों में मजबूत रहना चाहिए। बांस के झुरमुट को तेज हवाएं हिलाती हैं, लेकिन बांस कभी टूटता नहीं।

सामयिक

देश के कई शहरों ने हीट वेव से बचाव के लिए हीट एक्शन प्लान लागू किए हैं। इन योजनाओं में स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करना, जल्दी चेतावनी प्रणाली स्थापित करना और जनसमुदायों को जागरूक करना शामिल है। इन योजनाओं का उद्देश्य बढ़ती गर्मी के जोखिम को कम करना है। हीट वेव के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए अस्पतालों में अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

हीट वेव ने बिगाड़ा जीवन का गणित

डॉ. नीलू तिवारी

मोबाइल : 9413907005

गर्मी आते ही राजस्थान सहित देश भर में हीट वेव का प्रकोप शुरू हो गया है। यह एक गंभीर प्राकृतिक आपदा है, जो लोगों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। शोध बताते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण हीट वेव की समस्या आम होती जा रही है। ग्लोबल वार्मिंग से तापमान वाले दिन और रातें बढ़ जाती हैं, जो मुख्य रूप से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के कारण होता है। ये गैसें पृथ्वी के वायुमंडल में गर्मी को फंसाती हैं, जिससे तापमान बढ़ता है और जलवायु पैटर्न बदल जाते हैं। जलवायु परिवर्तन की तीव्रता का अनुमान है कि भविष्य में हीट वेव की तीव्रता, आवृत्ति और अवधि में वृद्धि होगी।

'हीट वेव' और 'ग्लोबल वार्मिंग' आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। शोध बताते हैं कि यदि ग्लोबल वार्मिंग को रोका नहीं गया, तो 21वीं सदी के अंत तक हीट वेव की स्थिति बदल जाएगी और कई स्थानों पर जीवन असंभव हो जाएगा। जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियां इसकी तीव्रता को बढ़ा रही हैं। भारत के पहले से ही गर्म शहरों में ग्लोबल वार्मिंग और जनसंख्या विकास की परस्पर क्रिया गर्मी के बढ़ते जोखिम का मुख्य कारण है। हीट आइलैंड शहरीकृत क्षेत्र हैं, जो बाहरी क्षेत्रों और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक तापमान का अनुभव करते हैं। हीट आइलैंड की इस घटना के लिए शहर जिम्मेदार हैं, क्योंकि वे फुटपाथ, इमारतों और अन्य सतहों के घने समूहों के साथ प्राकृतिक भूमि कवर कर लेते हैं, जो गर्मी को अवशोषित करते हैं।

यूं तो देश अक्सर मई और जून में हीट वेव का शिकार होता है, लेकिन नियमित रूप से बढ़ते अधिकतम तापमान के कारण साल 2022 में हीट वेव सामान्य से पहले शुरू हो गया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 1981 और 1990 के बीच भारत में 413 दिन और 2011 और 2020 के बीच 600 दिन हीट वेव के थे। हीट वेव के कारण लू लगना, डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है। अत्यधिक गर्मी से फसलें झुलस जाती हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान होता है। नदियां और तालाब सूखने लगते हैं, जिससे जल संकट उत्पन्न होता है। कूलर, एसी आदि के उपयोग से बिजली की खपत बढ़ जाती है, जिससे लोडशेडिंग होती है। पक्षियों और जानवरों के जीवन पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है।

दुनिया भर में हीट वेव की घटनाओं में वृद्धि जलवायु परिवर्तन का एक गंभीर परिणाम है, जिससे मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, हीट वेव खतरनाक प्राकृतिक मौसम संबंधी खतरों में से एक है, जो स्वास्थ्य, सामाजिक, पर्यावरण और आर्थिक रूप से गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। साल 2022 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, अकेले यूरोप में 60,000 से अधिक लोगों की गर्मी से संबंधित तनाव से मौत हो गई। अत्यधिक गर्मी हृदय संबंधी बीमारियों, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकती है। बच्चे, बुजुर्ग और पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं वाले लोग गर्मी के तनाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। हीट वेव केवल एक मौसमी बदलाव नहीं है, बल्कि यह एक बहुआयामी संकट है, जो स्वास्थ्य, पर्यावरण, जल, खाद्य और अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। यह न सिर्फ एक पर्यावरणीय मुद्दा है, बल्कि यह राष्ट्रीय और वैश्विक चिंता का विषय है। इस पर नीतिगत और सामाजिक स्तर पर ध्यान देना जरूरी है। हीट वेव ना केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय है, बल्कि इससे खाद्य सुरक्षा भी खतरे में पड़ सकती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह एक बहुत बड़ा मुद्दा है। बारिश की कमी और तापमान की अधिकता के कारण पानी के स्रोत सूख जाते हैं, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जल संकट गहरा जाता है। इससे सामाजिक और राजनीतिक तनाव भी बढ़ सकते हैं। हीट वेव की वजह से बिजली की खपत बढ़ जाती है, उद्योगों में काम बाधित होता है और दिहाड़ी मजदूरों की आय पर असर पड़ता है। इसका असर पूरे देश की उत्पादकता और जीडीपी पर पड़ता है।

अब बात करते हैं प्रयासों की। देश के कई शहरों ने हीट वेव से बचाव के लिए हीट एक्शन प्लान लागू किए हैं। इन योजनाओं में स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करना, जल्दी चेतावनी प्रणाली स्थापित करना और जनसमुदायों को जागरूक करना शामिल है। इन योजनाओं का उद्देश्य बढ़ती गर्मी के जोखिम को कम करना है। हीट वेव के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए अस्पतालों में अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसमें हीट स्ट्रोक के इलाज के लिए विशेष वार्ड और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 जून, 2024 को एक पेड़-मां के नाम अभियान की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य 2025 तक 140 करोड़ पेड़ लगाना है। जनवरी, 2025 तक 109 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं, जिससे हरित आवरण में वृद्धि हुई है और कार्बन अवशोषण में मदद मिली है।

वहीं अक्षय ऊर्जा में वृद्धि के लिए भारत ने 2025 तक अपनी कुल विद्युत उत्पादन क्षमता का लगभग 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। यह सौर और पवन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किया जा रहा है। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन क्रियावली योजना के तहत भारत ने 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस योजना के अंतर्गत सौर ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण, सतत कृषि और हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। केंद्र सरकार हीट वेव और ग्लोबल वार्मिंग जैसी पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय रूप से विभिन्न योजनाएं और पहलें लागू कर रही है। इन प्रयासों का उद्देश्य न केवल पर्यावरण की रक्षा करना है, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को भी सुनिश्चित करना है।

असल में केवल सरकार ही नहीं, बल्कि हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे। वह पेड़ लगाए, पानी और बिजली की बचत करे, प्लास्टिक का उपयोग कम करे और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाए। पर्यावरण को बचाना सिर्फ जरूरत नहीं, हमारी जिम्मेदारी भी है। आज हम जो कदम उठाएंगे, वही आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करेंगे। हीट वेव से बचाव के लिए पेड़ लगाएं। सार्वजनिक परिवहन या साइकिल का उपयोग करें। बिजली और ईंधन का कम से कम उपयोग करें। प्लास्टिक और कचरा जलाना बंद करें। सरकारें बढ़ती हुई गर्मी और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से निपटने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही हैं। इनका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जलवायु अनुकूलन और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इनसे हमें जुड़ना चाहिए और अपना हर संभव योगदान देना चाहिए।

विशेष

डॉ. कस्तूरीरंगन का अंतरिक्ष विज्ञान और राष्ट्र निर्माण में योगदान : एक महान विरासत

प्रोफेसर कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन, जिन्हें आदर से डॉ. कस्तूरीरंगन कहा जाता है, एक असाधारण नेतृत्वकर्ता, उत्कृष्ट वैज्ञानिक और हमारे राष्ट्र के परिवर्तनकारी व्यक्तित्व थे, जिन्होंने भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं, शैक्षिक ढांचे को गहराई से आकार दिया और भविष्य की दृष्टि दिखाई। ज्ञान की खोज और राष्ट्र की प्रगति के लिए इसके अनुप्रयोग से चिह्नित उनके जीवन ने एक अमिट विरासत छोड़ी है।

प्रो. कस्तूरीरंगन की प्रारंभिक शैक्षणिक प्रतिभा, जो बॉम्बे विश्वविद्यालय से प्रायोगिक उच्च ऊर्जा खगोल विज्ञान में डॉक्टरेट तक पहुंची, ने अंतरिक्ष अन्वेषण में उनके असाधारण योगदान की मजबूत नींव रखी। उन्होंने साल 1971 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की, जब वे अहमदाबाद के भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में कार्यरत थे। इसरो सैटेलाइट सेंटर (अब यूआर राव सैटेलाइट सेंटर) में अपने कार्यकाल के दौरान, वे भारत के पहले दो प्रायोगिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों, भास्कर-1 और 2 के परियोजना निदेशक थे। उनका एक महत्त्वपूर्ण योगदान भारत के रिमोट सेंसिंग कार्यक्रम का विस्तार था। उनके कार्यकाल में लॉन्च किए गए आईआरएस-1सी और आईआरएस-1डी जैसे उपग्रहों ने कृषि, वानिकी, जल संसाधन और शहरी नियोजन के लिए उच्च-रिज़ॉल्यूशन डेटा प्रदान किया। उनकी दृष्टि ने यह प्रदर्शित करते हुए कि अंतरिक्ष विज्ञान आम जनता को कैसे प्रत्यक्ष लाभ पहुंचा सकता है, उन्नत तकनीक और विकास के बीच की खाई को पाटने में मदद की।

नब्बे के दशक और 2000 के प्रारंभ में, उन्होंने अंतरिक्ष गतिविधियों के वैश्विक परिप्रेक्ष्य को बनाने और मजबूत करने में अग्रणी भूमिका निभाई। इसरो के सैटेलाइट प्रौद्योगिकी के प्रमुख केंद्र, इसरो सैटेलाइट सेंटर में दो दशकों से अधिक समय तक और अंततः साल 1990-1994 के दौरान इसके निदेशक के रूप में, उन्होंने सभी उपग्रहों और उनके उप-प्रणालियों के लिए डिज़ाइन, निर्माण, योग्यता और एकीकरण पद्धतियों और प्रणालियों की स्थापना की प्राथमिक जिम्मेदारी निभाई।

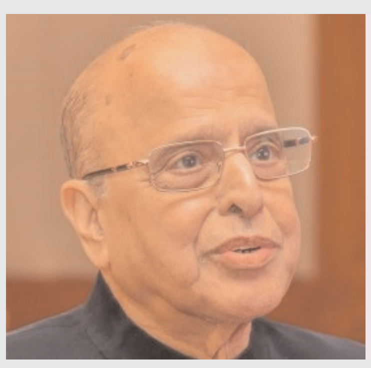

डॉ. कस्तूरीरंगन ने पश्चिमी घाट पर उच्च-स्तरीय कार्य समूह के अध्यक्ष के रूप में पर्यावरण संरक्षण में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, जिसे कस्तूरीरंगन समिति के नाम से जाना जाता है। प्रो. कस्तूरीरंगन का प्रभाव अंतरिक्ष और शिक्षा से कहीं आगे तक फैला। उन्होंने योजना आयोग के सदस्य, साल 2003-2009 तक राज्यसभा के सदस्य और कर्नाटक ज्ञान आयोग के अध्यक्ष जैसे महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।

इसरो के साथ उनके लंबे और प्रभावशाली जुड़ाव में, उन्होंने साल 1994 से 2003 तक अंतरिक्ष विभाग के अध्यक्ष और सचिव के रूप में सेवाएं दीं। उस दौर में उनके सूझबूझ भरे मार्गदर्शन में कई प्रमुख मिशनों के साथ महत्त्वपूर्ण प्रगति देखी गई।

उन्होंने संचार और मौसम विज्ञान के लिए भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह और पृथ्वी अवलोकन के लिए आईआरएस जैसी महत्त्वपूर्ण उपग्रह सीरीज के सफल विकास और प्रक्षेपण का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में अंतरिक्ष कार्यक्रम ने पीएसएलवी का सफल संचालन और जीएसएलवी का उड़ान परीक्षण देखा। विशेष रूप से, भारत का पहला चंद्र मिशन, चंद्रयान-1, उनके नेतृत्व में शुरू हुआ, जिसने राष्ट्र को चंद्र अन्वेषण में मजबूती से स्थापित किया और अमूल्य वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि प्रदान की।

स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास के प्रति उनके दृढ़ समर्पण ने महत्त्वपूर्ण अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की। एक खगोल भौतिकीविद के रूप में, डॉ. कस्तूरीरंगन की रुचि उच्च ऊर्जा एक्स-रे और गामा किरण खगोल विज्ञान के साथ-साथ ऑप्टिकल खगोल विज्ञान में थी। उन्होंने बहु-तरंगदैर्घ्य खगोल विज्ञान मिशन, एस्ट्रोसैट के विकास और साकार करने में सक्रिय रूप से समर्थन और नेतृत्व प्रदान किया।

अंतरिक्ष में उनकी विशाल उपलब्धियों से परे, प्रो. कस्तूरीरंगन की दूरदर्शी सोच शिक्षा तक विस्तारित थी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का मसौदा तैयार करने वाली समिति की अध्यक्षता की, जो भारत की शिक्षा प्रणाली में क्रांति लाने वाली एक महत्त्वपूर्ण नीति है।

एनईपी 2020, जिसमें समग्र विकास, आलोचनात्मक सोच, बहु-विषयक शिक्षा और प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर जोर दिया गया है, छात्रों और राष्ट्र की विकसित होती जरूरतों के प्रति उनकी गहरी समझ को दर्शाती है। इस नीति को आकार देने में उनके नेतृत्व ने युवा दिमागों को पोषित करने और भविष्य की पीढ़ियों को सशक्त बनाने की उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। नीति का प्रारंभिक शिक्षा, आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता और लचीले उच्च शिक्षा मार्गों पर ध्यान एक समान और उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रणाली के लिए उनकी व्यापक दृष्टि का प्रमाण है। वे साल 2009 से 2014 तक योजना आयोग के सदस्य (विज्ञान) रहे और भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र की 12वीं पंचवर्षीय योजना को तैयार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. कस्तूरीरंगन ने पश्चिमी घाट पर उच्च-स्तरीय कार्य समूह के अध्यक्ष के रूप में पर्यावरण संरक्षण में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, जिसे कस्तूरीरंगन समिति के नाम से जाना जाता है। प्रो. कस्तूरीरंगन का प्रभाव अंतरिक्ष और शिक्षा से कहीं आगे तक फैला। उन्होंने योजना आयोग के सदस्य, साल 2003-2009 तक राज्यसभा के सदस्य और कर्नाटक ज्ञान आयोग के अध्यक्ष जैसे महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। इन भूमिकाओं में, उन्होंने लगातार विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शिक्षा को बढ़ावा दिया, नवाचार और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने वाली नीतियों की वकालत की। विभिन्न क्षेत्रों में नीति निर्माण में उनके सूझबूझ भरे योगदान ने उनकी व्यापक विशेषज्ञता और राष्ट्रीय विकास के प्रति उनके अटूट समर्पण को प्रदर्शित किया। उनके समर्पण और उपलब्धियों ने उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण जैसे कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों के साथ-साथ उनकी वैज्ञानिक और तकनीकी योगदानों के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की। ये सम्मान भारत और विश्व पर उनके गहरे प्रभाव को रेखांकित करते हैं।

भारतीय परंपरा में, यह माना जाता है कि महान व्यक्तियों द्वारा बोए गए बीज विशाल वृक्षों में विकसित होते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए छाया और पोषण प्रदान करते हैं, जिससे एक समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र और विरासत बनती है। प्रो. कस्तूरीरंगन का अंतरिक्ष और शिक्षा में दूरदर्शी कार्य वास्तव में ऐसे विशाल वृक्षों में विकसित हुआ है, जो अनगिनत व्यक्तियों को विज्ञान में करियर बनाने और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित करता है। उनकी अडिग भावना, जो अटूट दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता की निरंतर खोज से चिह्नित है, देश में भविष्य के वैज्ञानिक प्रयासों को ऊर्जा प्रदान करती रहेगी। आइए, हम इस महान प्रेरणा का सम्मान एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए अपने ईमानदार, अथक और निःस्वार्थ कठिन परिश्रम के माध्यम से करें।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत दुनिया में सबसे किफायती, सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पूरी दुनिया में सबसे अधिक किफायती एवं सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा भारत एक वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति बन गया है और वह भविष्य में नई ऊंचाइयों को छुएगा। मोदी ने कहा कि कई युवा अंतरिक्ष स्टार्टअप के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले केवल एक कंपनी थी लेकिन आज देश में 325 से अधिक अंतरिक्ष स्टार्टअप काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन को भी श्रद्धांजलि दी।

इसरो की करीब एक दशक तक बागडोर संभालने वाले के. कस्तूरीरंगन का शुक्रवार को बेंगलूरु में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे।

मोदी ने कहा, ''हमने दो दिन पहले देश के महान वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन को खो दिया। मेरी कस्तूरीरंगन जी से जब भी मुलाकात होती थी, हम भारत के युवाओं की प्रतिभा, आधुनिक शिक्षा, अंतरिक्ष विज्ञान जैसे विषयों पर काफी चर्चा करते थे। विज्ञान, शिक्षा और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाई देने में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके नेतृत्व में इसरो को एक नई पहचान मिली।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि कस्तूरीरंगन के मार्गदर्शन में जो अंतरिक्ष कार्यक्रम आगे बढ़े, उनसे भारत के प्रयासों को वैश्विक मान्यता मिली। उन्होंने कहा कि आज भारत जिन उपग्रहों का उपयोग करता है, उनमें से कई डॉ. कस्तूरीरंगन की देखरेख में ही प्रक्षेपित किए गए थे। उन्होंने कहा, ''उनके व्यक्तित्व की एक और बात बहुत खास थी, जिससे युवा-पीढ़ी उनसे सीख सकती है। उन्होंने नवोन्मेष को हमेशा महत्व दिया। कुछ नया सीखने, जानने और नया करने का दृष्टिकोण बहुत प्रेरित करने वाला है।''

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कस्तूरीरंगन ने देश की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार करने में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि कस्तूरीरंगन ने 21वीं सदी की आधुनिक जरूरतों के मुताबिक ''भविष्योन्मुखी शिक्षा'' का विचार पेश किया था।मोदी ने कहा, ''देश की नि:स्वार्थ सेवा और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। मैं डॉ. के. कस्तूरीरंगन को विनम्र भाव से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।''

मोदी ने कहा कि अप्रैल में आर्यभट्ट उपग्रह के प्रक्षेपण के 50 वर्ष पूरे हुए हैं। उन्होंने कहा, ''आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, 50 वर्ष की इस यात्रा को याद करते हैं तो लगता है कि हमने कितनी लंबी दूरी तय की है। अंतरिक्ष में भारत के सपनों की ये उड़ान एक समय केवल हौसलों से शुरू हुई थी। राष्ट्र के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा पाले कुछ युवा वैज्ञानिकों के पास न तो आज जैसे आधुनिक संसाधन थे, न ही दुनिया की प्रौद्योगिकी तक वैसी पहुंच थी, अगर कुछ था तो वह था- प्रतिभा, लगन, मेहनत और देश के लिए कुछ करने का जज्बा।''

मोदी ने कहा, ''अहम उपकरणों को बैलगाड़ियों और साइकिल पर रखकर खुद लेकर जाते हमारे वैज्ञानिकों की तस्वीरों को आपने भी देखा होगा। उसी लगन और राष्ट्र सेवा की भावना का नतीजा है कि आज इतना कुछ बदल गया है।'' उन्होंने कहा कि आज अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत एक वैश्विक शक्ति बन चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमने एक साथ 104 उपग्रहों का प्रक्षेपण करके रिकॉर्ड बनाया है। हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बने हैं। भारत ने 'मार्स ऑर्बिटर मिशन' (मंगलयान) का प्रक्षेपण किया और हम आदित्य एल1 मिशन के जरिए सूरज के काफी करीब तक पहुंचे हैं।''

मोदी ने कहा कि आज भारत पूरी दुनिया में सर्वाधिक किफायती तथा सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देश अपने उपग्रहों और अंतरिक्ष मिशन के लिए इसरो की मदद लेते हैं। मोदी ने कहा, ''हम जब इसरो द्वारा किसी उपग्रह का प्रक्षेपण देखते हैं तो हम गर्व से भर जाते हैं। ऐसी ही अनुभूति मुझे तब हुई जब मैं 2014 में पीएसएलवी-सी-23 के प्रक्षेपण का साक्षी बना था। मैं 2019 में चंद्रयान-2 के प्रक्षेपण के दौरान भी बेंगलूरु के इसरो केंद्र में मौजूद था। उस समय चंद्रयान को अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी, तब वैज्ञानिकों के लिए बहुत मुश्किल घड़ी थी लेकिन मैं अपनी आंखों से वैज्ञानिकों के धैर्य और कुछ कर गुजरने का जज्बा भी देख रहा था।'

परीक्षा

कोलकाता में संयुक्त प्रवेश परीक्षा देने के लिए परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने के लिए कतार में खड़े छात्र।

पहलगाम आतंकी हमले की जांच में रूस और चीन की भागीदारी चाहता है पाकिस्तान

मॉस्को/भाषा। पाकिस्तान पहलगाम आतंकी हमले की जांच में रूस और चीन को शामिल करना चाहता है। मीडिया की एक खबर से यह जानकारी मिली है। आतंकवादियों ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गोलीबारी की जिसमें 26 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला था।

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े उसके छद्म संगठन 'द रेसिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पहलगाम हमले के 'अपराधियों और षड्यंत्रकारियों' को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

रूसी सरकार द्वारा संचालित आरआईए नोवोस्ती समाचार एजेंसी को दिए गए एक हालिया साक्षात्कार में पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, ''मुझे लगता है कि रूस या चीन या यहां तक कि पश्चिमी देश इस संकट में बहुत ही सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं और वे एक जांच दल भी गठित कर सकते हैं, जिसे जांच का यह काम सौंपा जाना चाहिए कि भारत या मोदी झूठ बोल रहे हैं या वह सच बोल रहे हैं। एक अंतरराष्ट्रीय दल को पता लगाने दें।'' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी अंतरराष्ट्रीय जांच कराने का प्रस्ताव रखा है।

समाचार एजेंसी ने ख्वाजा के हवाले से कहा, '' पता लगाएं कि भारत में, कश्मीर में इस घटना का दोषी कौन है और कौन इसे अंजाम दे रहा है। बातचीत या खोखले बयानों का कोई असर नहीं होता। इस बात के कुछ सबूत तो होने ही चाहिए कि पाकिस्तान इसमें शामिल है या इन लोगों को पाकिस्तान का समर्थन प्राप्त था? ये सिर्फ बयान हैं, खोखले बयान और कुछ नहीं।''

इस बीच मॉस्को स्थित स्वतंत्र अमेरिकी विश्लेषक एंड्रयू कोरिबको ने कहा कि न केवल पाकिस्तान ने भारत के आरोपों का खंडन किया है, जिसकी उम्मीद थी, बल्कि शीर्ष अधिकारियों ने आश्चर्यजनक रूप से खुद को बदनाम करने वाले दो दावे किए हैं। उन्होंने कहा, ''इसाक डार, जो उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री दोनों हैं, ने टिप्पणी की है कि 22 अप्रैल को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम जिले में हमले करने वाले लोग स्वतंत्रता सेनानी हो सकते हैं।''

कोरिबको ने ऑनलाइन मंच सबस्टैक पर अपने न्यूजलेटर में लिखा, '' कश्मीर संघर्ष के बारे में किसी के विचार चाहे जो भी हों, पर्यटकों का नरसंहार निर्विवाद रूप से आतंकवादी कृत्य है, उनके धर्म के आधार पर हत्या की तो बात ही छोड़ दीजिए।

अभिनेता अतुल कुलकर्णी पहलगाम पहुंचे, लोगों से जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने की अपील की

नई दिल्ली/भाषा। पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकवादी हमले के कारण पर्यटन के बुरी तरह से प्रभावित होने के बीच अभिनेता अतुल कुलकर्णी जम्मू-कश्मीर पहुंचे हैं और उन्होंने नागरिकों से बड़ी संख्या में केंद्र शासित प्रदेश की यात्रा करने की अपील की है। कुलकर्णी रविवार की सुबह श्रीनगर पहुंचे और सीधे पहलगाम पहुंचे, जहां इस सप्ताह के शुरू में आतंकवादियों ने कम से कम 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद पर्यटक जम्मू कश्मीर में अपनी छुट्टियां मनाने के कार्यक्रम को रद्द कर रहे हैं और जो केंद्र शासित प्रदेश में आए हैं, वे भी लौट रहे हैं। अभिनेता ने कहा, ''आतंकवादी हमले का उद्देश्य पर्यटकों को यह संदेश देना था कि वे कश्मीर न आएं। यदि हम कश्मीर जाने की अपनी योजना रद्द कर देते हैं, तो हम एक तरह से आतंकवादियों के इरादों को सफल होने दे रहे हैं।'

माल्यार्पण

पटना के मिलर हाई स्कूल ग्राउंड में दलित महापंचायत के दौरान बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के साथ विधि एवं न्याय तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल का माल्यार्पण किया गया।

दीप प्रज्वलित

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा छत्रपति संभाजी नगर में ट्रूबीम यूनिट के उद्घाटन और राज्य कैंसर संस्थान के विस्तार के दौरान दीप प्रज्वलित करते हुए।

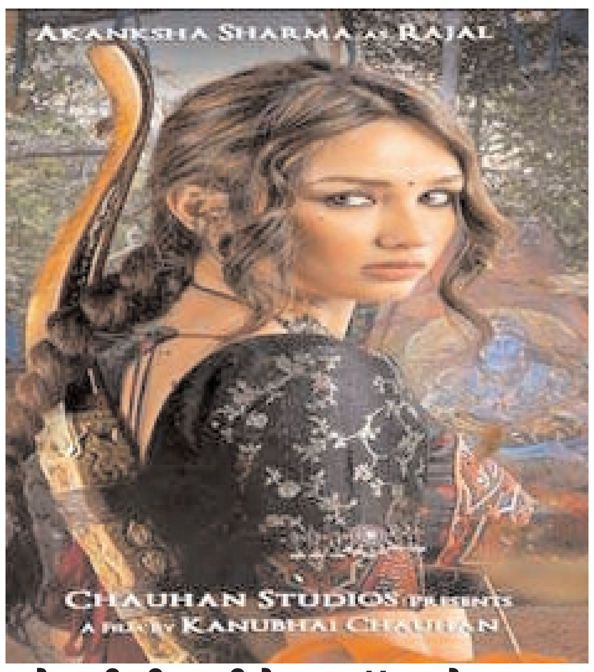

'केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' से आकांक्षा शर्मा का लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा की आने वाली फिल्म केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ से उनका पोस्टर रिलीज हो गया है। केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित पीरियड फिल्मों में से एक है। अपनी हिंदी सिनेमा की पहली फिल्म केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ में, आकांक्षा ने एक जबरदस्त पहली झलक से दर्शकों को चौंका दिया है, जहां वह 'राजल' के किरदार में एक निडर और वीरांगना योद्धा के रूप में नजर आ रही हैं। आगामी पीरियड वॉर ड्रामा 'केसरी वीर'16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। पहली झलक पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने लिखा, राजल, जंगल की शेरनी और एक प्रचंड योद्धा हरहरमहादेव ,16 मई 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय, सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा के नेतृत्व में सजी इस दमदार स्टारकास्ट वाली फिल्म केसरी वीर का निर्माण कानू चौहान ने चौहान स्टूडियोज के बैनर तले किया है। पैनोरमा स्टूडियोज की यह फिल्म 16 मई 2025 को दुनियाभर के दर्शकों को रोमांचित करने आ रही है।

सात दशक तक दर्शकों को दीवाना बनाया जोहरा सहगल ने

जन्मदिवस पर विशेष

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा जगत में जोहरा सहगल का नाम एक ऐसी अभिनेत्री-डांसर के तौर पर याद किया जायेगा जिन्होंने लगभग सात दशक तक अपने अभिनय से दर्शकों को अपना दीवाना बनाया। विलक्षण प्रतिभा और उर्जा से भरपूर जोहरा सहगल ने एक ऐसी अभिनेत्री थी जिसने फिल्मी दुनिया की चार पीढ़ियों पृथवीराज कपूर से लेकर रणबीर कपूर के साथ भी काम किया। 27 अप्रैल 1912 को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में जन्मीं जोहरा का जीवन के प्रति उत्साह और उनके मोहक अंदाज देखते ही बनता था। जोहरा सहगल जब एक साल की थी तब उनकी बांई आंख की रोशनी चली गई। उस समय तीन लाख पाउंड खर्च कर लंदन के एक अस्पताल में इलाज कराया गया और आंख की रोशनी लौटी। जोहरा की पढ़ाई लड़कों की स्कूल में हुई इसलिए उनका स्वभाव अल्हड़ था।

बताया जाता है कि जोहरा स्कूली दिनों में पेड़ों पर चढ़ जाया करती और लडकों जैसी शरारत करती थी। जोहरा का मतलब है गुणी और हुनरमंद स्त्री। वर्ष 1929 में मैट्रिक और 1933 में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद जोहरा ने डांसर बनने का सोचा1जोहरा ने जर्मनी में उदयशंकर का शिव-पार्वती नृत्य देखा और उनके अलमोड़ा स्कूल में शमिल हो गईं1ख्वाजा अहमद अब्बास ने जोहरा सहगल को ...भारत की इंसाडोरा डंकन.. कहा था। जोहरा सहगल ने अपने करियर की शुरूआत बतौर डांसर के रूप में वर्ष 1935 में उस जमाने के जानेमाने डांसर उदय शंकर के साथ की1उदय शंकर के साथ जोहरा सहगल ने जापान.मिस्र.यूरोप और अमेरिका सहित कई देशें में अपने डांस कार्यक्रम पेश किए1वर्ष 1942 में जोहरा सहगल ने वैज्ञानिक.पेंटर और डांसर कमलेशवर सहगल से शादी कर ली। बतौर अभिनेत्री जोहरा सहगल ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1946 में प्रदर्शित फिल्म धरती के लाल से की। इप्टा के सहयोग से बनी ख्वाजा अहमद अब्बाद निर्देशित पहली फिल्म धरती के लाल से बलराज साहनी ने भी बतौर अभिनेता अपने करियर का आगाज किया था1इसी वर्ष जोहरा सहगल को एक और फिल्म नीचा नगर में भी काम करने का अवसर मिला।

वर्ष 1950 में जोहरा सहगल को चेतन आनंद के निर्देशन में बनी फिल्म अफसर में काम करने का अवसर मिला1इस फिल्म में देवानंद ने मुख्य भूमिका निभायी थी1फिल्म हालांकि टिकट खिड़की पर कामयाब नही हुयी लेकिन जोहरा सहगल के अभिनय को दर्शकों ने अवश्य पसंद किया1इसके बाद जोहरा सहगल ने कुछ फिल्मों में कोरियोग्राफर के तौर पर भी काम किया।

पहलगाम आतंकी घटना दिल दहलाने वाली, हम देश के साथ : दिव्या दत्ता

मुंबई/एजेन्सी

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर देशवासियों में आक्रोश व्याप्त है। फिल्म इंडस्ट्री के सितारे भी आतंकियों की कायराना हरकत की कड़ी निंदा करते नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की और घटना को 'दिल दहला देने वाला' बताते हुए अपनी संवेदना व्यक्त की। एक कार्यक्रम में शामिल हुईं दिव्या दत्ता ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, पहलगाम में जो हुआ वह बहुत दुखद है। मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। इस मुश्किल समय में हम अपने देश के साथ खड़े हैं। इससे पहले अभिनेत्री अनु अग्रवाल ने भी आईएएनएस से बात की और पहलगाम हमले पर दुख जताया।

अनु ने कहा, मुझे बहुत दुख हो रहा है और मैं उन लोगों के प्रति अपना पूरा समर्थन व्यक्त करती हूं, जिन्होंने इस आतंकवादी हमले में अपनों को खोया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उठाए कदम को सही बताते हुए उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा है कि आतंकियों को उनकी कल्पना से भी बढ़कर सजा दी जाएगी। जाहिर है, ऐसी घटना के बाद कोई भी चुप नहीं रहेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या यह घटना सुरक्षा चूक का नतीजा है, उन्होंने कहा, जब भी ऐसी कोई घटना होती है तो हर कोई जानना चाहता है कि ऐसा क्यों और कैसे हुआ, लेकिन जो भी होता है उसके पीछे कई कारण होते हैं। जहां कुछ लोग इसके लिए सुरक्षा चूक को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, वहीं कुछ लोग मुस्लिम समुदाय पर आरोप लगा रहे हैं, जिनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए, मैं कहूंगी कि लोगों को पहले खुद का आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और खुद को सही करना चाहिए। आतंकवादी हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के लिए अपना संदेश साझा करते हुए, अनु ने कहा, हमारे जीवन में आने वाली हर कठिनाई हमें एक सबक सिखाती है। अपने अंदर नफरत को बढ़ाने के बजाय, हमें इस बारे में सोचना चाहिए कि स्थिति से कैसे बाहर निकलना है। मेरे अनुभव में, सकारात्मकता एक बड़ी मरहम लगाने वाली चीज है।

'कुल: द लीगेसी ऑफ द रायसिंहस' का ट्रेलर रिलीजं

मुंबई/एजेन्सी

बालाजी डिजिटल निर्मित, एकता आर कपूर और शोभा कपूर द्वारा प्रस्तुत तथा साहिर रज़ा के निर्देशन में बनी सीरीज कुल: द लीगेसी ऑफ द रायसिंह्स' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। राजसी बीकानेर की रहस्यमयी और भयावह पृष्ठभूमि पर आधारित 'कुल' एक बिखरे हुए शाही परिवार की जटिल दास्तान है। जब परिवार के मुखिया चंद्रप्रताप की उनके 60वें जन्मदिन पर रहस्यमय मौत हो जाती है, तो महल साजिशों, धोखेबाजी और लंबे समय से दफन राज़ों का अड्डा बन जाता है। साहिर रज़ा के निर्देशन में बनी इस सीरीज में निम्रत कौर, रिद्धि डोगरा और अमोल पाराशर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इंद्राणी रायसिंह का किरदार निभा रहीं निम्रत कौर ने कहा,'इंद्राणी शांत पानी के नीचे छिपे तूफान जैसी है। 'कुल' ने मुझे एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका दिया है जिसकी ताकत उसकी चुप्पी में झलकती है और जिसकी वफादारी में गहरी आग है। यह कहानी बिना किसी हिचक के आगे बढ़ती है और इसका हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। 'कुल' सिनेमा के जरिये बेहतरीन कहानी कहने का उदाहरण है और जियोहॉटस्टार पर इसका प्रसारण इसे सही मंच देता है। काव्या रायसिंह की भूमिका निभाने वाली रिद्धि डोगरा ने कहा,काव्या एक ढहती विरासत का बोझ अपने कंधों पर उठाए हुए है। वह महत्वाकांक्षी और उत्साही है, लेकिन भीतर से बेहद डरी हुई भी। शूटिंग के दौरान कई बार ऐसा लगा कि उसके बचपन के जख्म मेरी अपनी भावनाओं तक

पहुंच रहे हैं। काव्या का संघर्ष, उसका हर हाल में दिखने और मायने रखने की चाह मुझसे काफी अलग है, लेकिन उसे निभाना एक जबरदस्त अनुभव था। इस भूमिका ने मुझे हर तरह से आगे बढ़ाया और अब मैं बेसब्री से चाहती हूं कि दुनिया इसे देखे। अभिमन्यु रायसिंह के किरदार में नजर आने वाले अमोल पाराशर ने कहा,मेरा किरदार आकर्षण में लिपटा एक अव्यवस्थित व्यक्तित्व है। वह नाजुक भी है, गुस्सैल भी, खुद पर अधिकार जताने वाला भी, लेकिन कहीं न कहीं आप उससे जुड़ाव महसूस करते हैं। कुछ दृश्य इतने भावुक कर देने वाले थे कि उनसे उबरना आसान नहीं था।

जब मुझे पता चला कि इसे एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं और यह जियोहॉटस्टार पर आएगी, तो मैं बेहद खुश था। यह कहानी साहसी है, नई है और अब तक देखी किसी भी कहानी से अलग है। स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर, निम्रत ने हमेशा मुझे प्रभावित किया है और इंद्राणी के किरदार में उन्हें देखना एक और बड़ी प्रेरणा रहा। कुल: द लीगेसी ऑफ द रायसिंह्स' दो मई से सिर्फ जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आत्मा ही कर्मों की कर्ता है आत्मा ही कर्मों का भोक्ता है। हर जीव सुख चाहता है, दुख कोई नहीं चाहता। कुछ प्राणी ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं और दूसरों का भी सुख चाहते हैं। कुछ स्वार्थी लोग ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं पर दूसरों को दुख देते हैं। पर जीव जैसा कर्म करता है उसे उसका फल जरूर प्राप्त होता है। कुछ ऐसे अच्छे व्यक्ति भी होते हैं जो दूसरों की भलाई चाहते हुए स्वयं के सुख का त्याग कर देते हैं और ऐसे व्यक्तियों का भला स्वतः ही हो जाता है।

चेन्नई की श्राविकाएँ तप-त्याग में अग्रणी : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जैन साहित्य संगम, तमिलनाडु के तत्वावधान में 26 अप्रैल को किलपॉक स्थित कोठारी महल में तप और आखा तीज विषय पर गोष्ठी हुई। कवि रमेशचंद बोहरा और शोधार्थी ज्योति मेहता द्वारा वर्षीतप किए जाने पर संगम की ओर से उनका अभिनंदन किया गया। एम. गौतमचंद बोहरा (सीए) की अध्यक्षता में हुई गोष्ठी में साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने तपस्वियों के आत्मबल की सराहना की और कहा कि दुनिया में भुखमरी की बजाय ज्यादा और गलत खाने से अधिक लोग मरते हैं।

जैन धर्म में तप का महत्व प्रागैतिहासिक काल से ही रहा है। जैन कवि तिरुवल्लुवर ने तिरुकुरल में तप की महिमा पर अध्याय लिखा है। डॉ. धींग ने कहा कि तपे बिना घड़ा पानी भरने योग्य नही बनता है। उन्होंने कहा कि चेन्नई की श्राविकाएँ ज्ञान-ध्यान और तप-त्याग में सदैव अग्रणी रहती हैं।

मोहिनी चोरड़िया ने प्राकृतिक सुंदरता के साथ जीवन की क्षणभंगुरता का वर्णन किया। मोहिनी के तप-गीत 'आओ हम करें तपस्या का अभिनंदन' का रेणु-राकेश कोठारी ने सुमधुर संगान करके वातावरण को सरस बना दिया। कोषाध्यक्ष पमिता खिचा ने 'इंद्रिय लोलुपता का दमन संयम' एवं उपाध्यक्ष केवल कोठारी ने समुद्री लहरों पर कश्ती संथारा पतवार रचनाएं सुनाईं। रमेशचंद बोहरा ने ऋषभदेव की काव्यमय कथा सुनाई और कहा कि मौजूदा तप, आदिनाथ के तप का लघु रूप है। प्रणत धींग ने कीचड़ में 'कमल की खेती करें, कांटों से फूलों का रक्षण करें' कविता सुनाकर शाबाशी पाई।

अध्यक्ष एमजी बोहरा और कपूरचंद सेठिया ने पहलगाम में हुई आतंकी घटना को कविता में ढाला। संगम ने आतंकवाद की भर्त्सना की और जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। सहमंत्री राजेश सुराणा ने संचालन किया। ललिता कोठारी और निशा गुप्ता ने आभार व्यक्त किया।

मुनिश्री पुलकितकुमार का हर्षोल्लास के साथ बेंगलूरु मंगल प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ के डॉ मुनि पुलकितकुमारजी व आदित्यकुमारजी का बेंगलूरु सीमा में मंगल प्रवेश हुआ। वोकल्लिगा महासंस्थान मठ केंगेरी स्थित पंचमुखी गणेश मंदिर में श्रीश्रीकुमार चंद्रशेखरनाथ महास्वामीजी के सान्निध्य में संतों का स्वागत किया गया। मुनिश्री ने सुबह की बेला में तुलसी महाप्रज्ञ चेतना सेवा केंद्र कुम्बलगुड से विहार किया। विहार में तेरापंथ सभा, युवक परिषद, राजराजेश्वरीनगर, विजयनगर, हनुमंतनगर, राजाजीनगर, यशवंतपुर के कार्यकर्ताओं ने सेवा दी। नगर सीमा में मंगल प्रवेश के साथ ही मुनिश्री ने मंगल पाठ सुनाया। स्वागत समारोह में डॉ पुलकितकुमारजी ने कहा कि हम प्रत्येक व्यक्ति के भीतर शांति की स्थापना के लिए प्रयास करेंगे। जैन-अजैन सभी के कल्याण एवं मंगल के लिए हम बेंगलूरु आए हैं। अब बेंगलूरु के जनमानस में जागृति का संदेश लेकर उपनगरों में विहार करेंगे। मुनिश्री आदित्यकुमारजी ने गीत एवं वक्तव्य के माध्यम से प्रेरणा प्रदान की।

स्वागत समारोह में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने स्वागत किया। सभा के पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया, कमलसिंह दुगड़, महासभा से आंचलिक संयोजक प्रकाश लोढ़ा, तेयुप के अध्यक्ष विमल धारीवाल, महिला मण्डल की अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल, टीपीएफ के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा, अणुव्रत समिति के अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने अपने विचार व्यक्त किए तथा संतों का स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संबंधित संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे। केंगेरी में सीमा प्रवेश की व्यवस्था हेतु संयोजक एवं सभा के पूर्व अध्यक्ष सुरेश दक को साधुवाद दिया गया। कार्यक्रम का संचालन सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया।

सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने कपड़े संग्रह कर जरूरतमंद लोगों को वितरित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन ने कपड़ा संग्रह एवं कपड़ा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। फाउंडेशन के सीएसआर प्रमुख बिकाशकुमार ने बताया कि कपड़ा संग्रह अभियान मीशो कम्पनी में किया जिसमें 250 नई टीशर्ट सहित लगभग कुल 600 कपड़े मिले। अध्यक्ष राजमणि सिन्हा ने बताया कि हमने कुडलू गेट के आसपास झुग्गी बस्ती में शनिवार को 200 लोगों के लिए और हेब्बागोड़ी इलेक्ट्रॉनिक सिटी में रविवार को 300 लोगों के लिए कपड़ा वितरण अभियान चलाया। करीब 500 जरूरतमंद लोगों को उनके साइज के अनुसार कपड़े वितरित किए गए। ज्यादातर लाभार्थी मजदूर, घरेलू कर्मी व सुरक्षाकर्मी थे।

हेब्बागोड़ी में भारतीय जन सेवा संगठन की मदद से गरीब और प्रवासी मजदूरों को कपड़े बांटे गए। इस अभियान में फाउंडेशन की महिला विंग द्वारा महिलाओं और लड़कियों को कपड़े वितरित किए गए। इस मौके पर फाउंडेशन के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमावस्या जाप

अमावस्या के मौके पर रविवार को बेंगलूरु गौरक्षणशाला में बने उपाध्यायश्री केवलमुनि आराधना स्थल पर गुरु भक्तों ने जाप किया तथा अन्नदान का आयोजन किया। इस मौके पर गुरु भक्तों ने पहलगांव के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञातव्य है कि 18 मई को उपाध्याय केवलमुनिजी की 31वीं पुण्यतिथि संतों के सान्निध्य में मनाई जाएगी।

गुरु ही व्यक्ति को मोक्ष की ओर ले जाता है : नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां ओप्पनकारा स्ट्रीट स्थित कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ भवन में रविवार को उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी म. सा., श्री शालीभद्र मुनिजी म. सा., उपप्रवर्तिनी श्री दर्शन प्रभाजी म.सा. साध्वीश्री प्रतिभाश्रीजी म. सा. साध्वीश्री स्मृतिप्रभाजी म. सा. के सान्निध्य में धर्मसभा का आयोजन किया गया।

इस मौके पर अपने ओजश्वी वाणी में गुरुदेवश्री नरेश मुनिजी ने कहा कि जैन धर्म में गुरु का बहुत महत्व है। वे ज्ञान और मार्ग के पथ प्रदर्शक होते हैं, जो व्यक्ति को मोक्ष की ओर ले जाते हैं। गुरु, अरिहंत, और तीर्थंकर जैसे शब्द भी इसी दिशा में इशारा करते हैं, जो आत्मा को सही दिशा में ले जाने का कार्य करते हैं।

गुरु ज्ञान और शिक्षा का स्रोत होते हैं, जो व्यक्ति को सत्य और असत्य में अंतर करने में मदद करते हैं वह गुरु होते हैं। गुरु व्यक्ति को मोक्ष के मार्ग पर ले जाते हैं और उन्हें सही दिशा में प्रेरित करते हैं। गुरु व्यक्ति को आध्यात्मिक विकास और आत्म-साक्षात्कार के लिए प्रेरित करते हैं। गुरु व्यक्ति को अहिंसा, सत्य, और अन्य नैतिक मूल्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

आज यहां इतने अच्छे धार्मिक लोगों से मिलकर नरेशमुनिजी ने खुशी जाहिर की। उन्होंने सब श्रद्धालुओं को तीर्थंकर वर्धमान महावीर और गुरु के आशीर्वाद से और उन्नति और धर्म और जीव दया के धार्मिक रास्ते पर चलने के लिए आशीर्वाद दिया। सभा में सभी का स्वागत अध्यक्ष राजेश बोहरा ने किया। संचालन सचिव सुनील हिंगड़ ने किया।

पुष्कर जैन आराधना भवन का उद्घाटन कार्यक्रम 4 जुलाई से

एक जून को होंगे उद्घाटन के नकरे के चढ़ावे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अंतर्गत गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केंद्र के सभी ट्रस्टी व भवन निर्माण सहयोगियों की एक सम्मिलित बैठक बुलाई गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सभी का स्वागत करते हुए भवन निर्माण की जानकारी देते हुए कहा कि भवन का उद्घाटन आगामी चातुर्मास में संतश्री नरेशमुनिजी के सान्निध्य में होगा तथा संतों का पहला चातुर्मास भी होगा। महामंत्री महावीरचंद मेहता ने भवन के निर्माण की पूरी जानकारी देते हुए बताया कि चातुर्मास से पहले भवन की साज सज्जा व निर्माण पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि भवन में पहला चातुर्मास उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, साध्वीश्री सत्यप्रभाजी, दर्शनप्रभाजी व सुप्रभाजी का होगा। संतों का 7 जुलाई को चातुर्मास प्रवेश होगा तथा भवन का तीन दिवसीय उदघाटन कार्यक्रम 4 जुलाई से प्रारंभ होगा। महामंत्री ने बताया कि उद्घाटन संबंधित विभिन्न नकरे (चढ़ावों) की बोलियों का कार्यक्रम 1 जून को रखा गया है। पदाधिकारियों ने उपस्थित 125 सदस्यों से सभी कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया है। युवा संगठन के अध्यक्ष महेन्द्र रांका व उपाध्यक्ष प्रवीण भंडारी ने अपने विचार व्यक्त किए। मीठालाल भंसाली ने धन्यवाद दिया। सभा का संचालन विनोद भुरट ने किया।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में मां दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान में रविवार को 1411वां सुन्दरकांड पाठ का कांगयम रोड स्थित गौतम सुथार के निवास पर आयोजन किया गया। सुन्दरकाण्ड पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण करके शुरु किया या। इस मौके पर अनेक श्रद्धालु और मंडल के सदस्य उपस्थित थे। मां दुर्गा भक्त मंडल की ओर से उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने गौतम सुथार के परिवार का आभार वयक्त किया। मंडल प्रत्येक रविवार को तिरुपुर जिले में घर-घर जाकर भक्ति की प्रेरणा देते हुए सभी को धर्ममार्ग पर चलने का आह्वान करते हुए सुन्दरकांड का पाठ करते आ रहा है।

सैनजी महाराज का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय सैन शक्ति फाउंडेशन ट्रस्ट व प्रवासी सैन समाज द्वारा संतश्री सैनजी महाराज का 725 वां जन्मोत्सव रविवार को बसन्तनगर स्थित बंजारा भवन में हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शिवा साईं गुरुजी उपस्थित थे। इनके अलावा रमेश बाबू, नामदेव नागराज, कृष्ण मुरारी धौलपुर, होटल मालिक के. एन रमेश, हाईकोर्ट के एडवोकेट कृष्णप्पा, सविता समाज कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राजन्ना केवी, एचएस प्रकाश केपी आदि उपस्थित थे। इस्कॉन के सुकुमार प्रभु ने समाज के सभी सदस्यों को हरे कृष्णा मंत्र का जाप कराया और पंडित शंभूदयाल पारीक द्वारा भजन की प्रस्तुति दी गई। आयोजित हवन में समाज बंधुओं ने आहुतियां दी। संत जन्मोत्सव के मौके पर शिक्षा और खेलकूद के क्षेत्र के मेधावी बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। इस मौके पर सैन शक्ति फाउंडेशन ट्रस्ट के अनेक सदस्य उपस्थित थे। अध्यक्ष विष्णुकुमार सैन द्वारा समाज को एकजुट हो कर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया गया।

पहलगाम हिन्दू नरसंहार के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

बेगलूरु/दक्षिण भारत: पहलगाव में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की स्मृति में स्थानीय दादी धाम प्रचार समिति और कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गोडवाड़ जैन भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर गोड़वाड़ जैन भवन के कुमारपाल सिसोदिया, दादी धाम प्रचार समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल, सचिव संजय चौधरी, संजय नोपानी, शिवरतन अग्रवाल, संजीव खेतान, कुणाल जालान, रमन जैन, रचना डालमिया, कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन परिधि की अध्यक्ष माया अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या उपस्थित जनों ने पहलगांव में आतंक की भेंट चढ़े लोगों को श्रद्धांजलि दी और आतंकी हमले की निंदा की।

बीजेएस द्वारा जरूरतमंदों को बांटी जाएंगी पुरानी पुस्तकें

मैसूरु/दक्षिण भारत। भारतीय जैन संगठन(बीजेएस) मैसूरु चैप्टर की ओर से स्थानकवासी जैन भवन, तेरापंथ भवन, आदेश्वर वाटिका, पार्श्व वाटिका में विद्यादान कार्यक्रम के तहत पुरानी पुस्तकें एकत्रित की गई।

आगामी दिनों में ये एकत्रित पुस्तकें जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित की जाएँगी। इस मौके पर अध्यक्ष राजन बाघमार, उपाध्यक्ष अमित चौहान, नेमीचंद बड़ौला तथा कुशल पालरेचा, महासचिव दीपक बोहरा, कोषाध्यक्ष मनोहर सांखला, सचिव राजेंद्र देशरला, सुनील पटवा, युवाध्यक्ष कौशिक जैन, परियोजना निदेशक पुनीत जुगराज, अक्षय वाणीगोता, परियोजना समन्वयक कौशिक जैन स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष सुभाषचंद दरड़ा, सचिव बुधमल बाघमार, कोषाध्यक्ष गौतम सांखला, युवा संगठन अध्यक्ष नवरतन दरला आदि उपस्थित रहे।

स्टालिन ने सर पिट्टी थियागरयार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने जस्टिस पार्टी के सह-संस्थापक सर पिट्टी थियागरयार की 174वीं जयंती पर रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और चेन्नई शहर के विकास में उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच पर 'पोस्ट' साझा कर कहा कि थियागरयार द्रविड़ कझगम के पूर्ववर्ती दल जस्टिस पार्टी के संस्थापकों में से एक थे।

स्टालिन ने कहा कि उन्होंने शिक्षा, नागरिक सुविधाओं, पेयजल और मध्याह्न भोजन योजना के क्षेत्रों में चेन्नई के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने ने बताया कि हालांकि थियागरयार को तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी का मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला था, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया।

स्टालिन ने कहा, आइए, हम 100 साल पहले हमारे शासन के द्रविड़ मॉडल का एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार करने वाले थियागरयार को याद करें और तमिलनाडु के विकास के लिए प्रयास करें। स्टालिन के अनुसार, द्रविड़ मॉडल का मतलब समग्र विकास के उद्देश्य से समावेशी शासन है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.